राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 22 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-356 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में 15 माओवादी ढेर, हथियार और गोला-बारूद बरामद

गरियाबंद।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के सुरक्षाबलों ने नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। 21 जनवरी की सुबह दोनों राज्यों के सुरक्षाकर्मियों और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान में 15 माओवादियों को मार गिराया। यह अभियान ओडिशा के नुआपड़ा जिले और छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के सीमावर्ती इलाकों में चलाया गया। अभियान की शुरुआत 19 जनवरी को एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। सुरक्षा बलों ने माओवादी गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान सोमवार को सुरक्षाबलों की मुठभेड़ दो महिला माओवादियों से हुई, जिन्हें मार गिराया गया। मंगलवार सुबह तक मारे गए माओवादियों की संख्या 15 हो गई। मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। बरामद सामग्री में एक एसएलआर, आईईडी और अन्य हथियार शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने आशंका जताई है कि हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है। एसओजी बलों और सीआरपीएफ के जवानों ने इस अभियान में साहस और संयम का परिचय दिया। दोनों ओर से गोलीबारी अभी भी जारी है, और सुरक्षाबल लगातार इलाके की तलाशी ले रहे हैं। माओवादियों की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है।

महाकुंभ में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी लगाएंगे डुबकी

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस बार महाकुंभ में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पवित्र संगम में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। जानकारी अनुसार महाकुंभ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 फरवरी को संगम में स्नान करेंगी, जबकि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 1 फरवरी को महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचेंगे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को प्रयागराज पहुंचेंगे और महाकुंभ में स्नान करेंगे।

प्रयागराज महाकुंभ में इन विशिष्ट

हस्तियों की यात्रा को देखते हुए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, और इन दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

महाकुंभ में करोड़ों लोग पहुंचते हैं संगम

महाकुंभ भारत का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें करोड़ों लोग संगम पर स्नान कर अपने पापों का प्रायश्चित करने पहुंचते हैं। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की महाकुंभ में उपस्थिति इस आयोजन को और अधिक विशेष बना देगी। महाकुंभ में इन विशिष्ट दिनों में भारी भीड़ की संभावना व्यक्त की जा रही है, इसलिए श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन की गाइडलाइन्स का पालन करें और समयानुसार ही अपनी योजना बनाएं।

पहला कॉलम

पीएम मोदी ने ट्रंप को बधाई देकर कहा, दोनों देशों के लाभ के लिए फिर से साथ काम करने को लेकर उत्सुक

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देकर कहा कि मैं (नरेन्द्र मोदी) फिर दोनों देशों के लाभ के लिए और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा, प्रिय मित्र ट्रंप को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में ऐतिहासिक शपथ ग्रहण पर बधाई। मैं एक बार फिर हमारे दोनों देशों के लाभ के लिए और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। आपके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति ट्रम्प ने नवंबर में हुए चुनावों में ऐतिहासिक वापसी के बाद सोमवार को 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। समारोह में प्रधानमंत्री मोदी के विशेष दूत के रूप में विदेश मंत्री एस. जयशंकर शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद रहे। इसके पहले निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और जिल बाइडन ने चाय के लिए व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ट्रंप का स्वागत किया।

कश्मीर को मुक्त कराने महाकुंभ में महायज्ञ

प्रयागराज।

प्रयागराज महाकुंभ में अर्धनारीश्वर महायज्ञ शुरू किया गया है। इसे किन्नर अखाड़े द्वारा किया जा रहा है। आयोजक महंत अमित शर्मा का कहना है, कि महाकुंभ में यह यज्ञ पहली बार हो रहा है। यह यज्ञ 11 फरवरी तक चलेगा। इस यज्ञ का उद्देश्य पाक अधिक्रृत कश्मीर को मुक्त कराना है। महाकुंभ में इस महायज्ञ की शुरुआत नियमित रूप से राष्ट्रगान से होती है। शिखर पर तिरंगा लहराया जाता है। पंडाल के चारों ओर शहीद सैनिकों की फोटो लगी हुई है। इस यज्ञ के आयोजक महंत अमित शर्मा बताते हैं कि यह महायज्ञ 11 फरवरी तक नियमित रूप से चलेगा। यह महायज्ञ तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के आशीर्वाद से हो रहा है। पाक अधिकृत कश्मीर को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करने के लिए यह यज्ञ किया जा रहा है। 250 यज्ञशाला में आहुति दी जा रही हैं। रामभद्राचार्य जी का कहना है, कि इस महायज्ञ के माध्यम से जम्मू कश्मीर जो अभी पाकिस्तान के कब्जे में है। वह भारत के पास आ जाएगा।

गौ रक्षा के लिए महायज्ञ

महाकुंभ में ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के सानिध्य में पहली बार 324 कुंडीय पंचदेव गौ प्रतिष्ठा महायज्ञ किया जा रहा है। इस महायज्ञ को गौ रक्षा के लिए किया जा रहा है। यहां बताते चलें कि शंकराचार्य गौ रक्षा के लिए देशभर में अभियान चला रहे हैं।

मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं की अनुमानित भीड़....

रेलवे ने किया 19 ट्रेन निरस्त

प्रयागराज।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं की अनुमानित भीड़ को देखकर रेलवे ने लंबी दूरी की 19 ट्रेनों को निरस्त किया है। ये ट्रेन मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी स्नान पर्व तक चलनी थीं। रेलवे ने भीड़ के मद्देनजर यह कदम उठाया है, ताकि रेलवे स्टेशन पर ट्रैक खाली मिले और ज्यादा से ज्यादा ट्रेनों का संचालन हो सके।

रेलवे ने मौनी अमावस्या पर लंबी दूरी की 18 और वसंत पंचमी पर 11 नियमित ट्रेनें निरस्त किया हैं। इसके अलावा 28 ट्रेन प्रयागराज जंक्शन की जगह प्रयागराज छिवकी होकर चलेगी। इन सभी का शेड्यूल उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जारी कर दिया है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने कहा कि परिचालन कारणों से इन ट्रेनों को निरस्त किया गया है।

जिन ट्रेनों को निरस्त किया गया हैं उसमें

- 1.15658 कामाख्या-दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल - 28 जनवरी, दो फरवरी
- 2. 12801 पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस- 28 जनवरी, दो फरवरी
- 3. 12397 गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस - 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 4. 20962 बनारस-उधना- 29 जनवरी
- 5. 12427 रीवा-आनंद विहार- 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 6. 12367 भागलपुर-नई दिल्ली- 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 7.12308 जोधपुर-हावड़ा- 28 जनवरी
- 8. 12816 आनंद विहार-पुरी - 29 जनवरी
- 9. 12506 आनंद विहार-कामाख्या - 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 10.12488 आनंद विहार-जोगबनी - 29 जनवरी
- 11. 12312 कालका-हावड़ा नेता जी एक्सप्रेस- 28 जनवरी, दो फरवरी
- 12.18310 जम्मूतवी-संबलपुर- 28 जनवरी
- 13. 15484 दिल्ली-अलीपुरद्वार- 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 14. 22466 आनंद विहार-मधुपुर - 29 जनवरी
- 15. 12398 नई दिल्ली-गया महाबोधि 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 16.12368 नई दिल्ली-भागलपुर - 29 जनवरी, तीन फरवरी
- 17.15633 बीकानेर-गुवाहाटी- 29 जनवरी
- 18.12941 भावनगर-आसनसोल -28 जनवरी
- 19. 22308 बीकानेर-हावड़ा- दो फरवरी

वहीं रेलवे ने महाकुंभ के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो एक्सप्रेस और चार मेमू ट्रेनों के ठहराव में परिवर्तन कर दिया है। कानपुर से चलने वाली मेमू अब प्रयागराज जंक्शन तक आएगी। ट्रेन नंबर 11801/11802 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-प्रयागराज एक्सप्रेस अब 21 जनवरी से 27 फरवरी तक फतेहपुर तक जाएगी और वहीं से झांसी लौटेगी। ट्रेन नंबर 11273/11274 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस अब

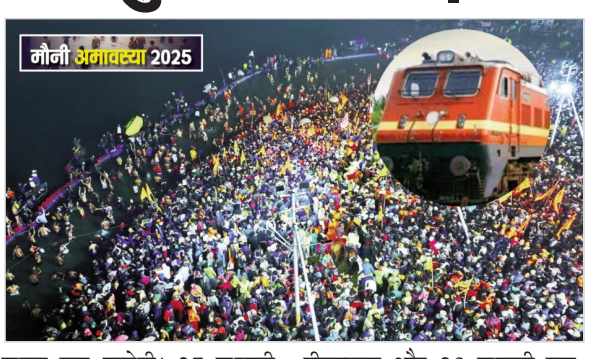

चुनार तक चलेगी। 27 फरवरी तक इटारसी से और 28 फरवरी तक चुनार से चलेगी। ट्रेन नंबर 63237/63238 (पुराना नं. 03333/03334) पं. दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज मेमू 28 फरवरी तक फतेहपुर तक विस्तार किया गया है।

ट्रेन नंबर 64595/64596 (पुराना नं. 04193/04194) पं. दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज मेमू को फतेहपुर तक विस्तार किया गया है।

27 फरवरी तक पंडित दीनदयाल और 28 फरवरी तक फतेहपुर रेलवे स्टेशन से चलेगी। ट्रेन नंबर 64591/64592 (पुराना नं. 04181/04182) कानपुर सेंट्रल -सूबेदारगंज मेमू का चुनार रेलवे स्टेशन तक विस्तार किया गया है। यह भी 28 फरवरी तक चुनार तक जाएगी। ट्रेन नंबर 64593/64594 (पुराना नं. 04129/04130) कानपुर सेंट्रल -फतेहपुर मेमू को प्रयागराज तक विस्तार दिया गया है। महाकुंभ की समाप्ति तक यह ट्रेन प्रयागराज तक आएगी।

भारत में सीएआर टी-सेल थैरेपी लांच, कैंसर मरीजों के लिए बेहद जरूरी

मुंबई ।

बेंगलुरु स्थित सेल और जीन थैरेपी स्टार्टअप इम्यूनील थैरेप्यूटिक्स ने देश की पहली व्यक्तिगत और सटीक सीएआर टी-सेल थैरेपी लांच की है, जिसे क्वार्टेमी नाम दिया गया है। यह थैरेपी वयस्कों में बी-सेल नॉन-हॉजकिन लिंफोमा (बी-एनएचएल) के लिए है। बी-सेल नॉन-हॉजकिन लिंफोमा रक्त कैंसर का एक प्रकार है, जो शरीर की लसीका प्रणाली में बी-सेल्स को प्रभावित करता है। भारत में नॉन-हॉजकिन लिंफोमा के करीब 80-85 प्रतिशत मामले इसी प्रकार के होते हैं।

क्वार्टेमी को इस भारतीय दवा नियामक सीडीएससीओ से मंजूरी मिली है। यह एक ऐसी व्यक्तिगत थैरेपी है, जो उन वयस्क मरीजों के लिए है, जिनका कैंसर बार-बार लौट आता है, या जिन पर अन्य इलाज जैसे कीमोथैरेपी असर नहीं करते। इस स्पेन के हॉस्पिटल क्लीनिक डी बार्सिलोना (एचसीबी) से भी लाइसेंस प्राप्त हुआ है, जो सेल थैरेपी इनोवेशन में अग्रणी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध संस्थान है। यह थैरेपी मरीज की प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संशोधित कर उन्हें कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने के लिए तैयार करती है। बेंगलुरु में विकसित की गई यह तकनीक मरीजों को लंबे समय तक राहत देने की क्षमता रखती है। कंपनी के अनुसार, क्वार्टेमी की कीमत अमेरिका में उपलब्ध समान उत्पाद की तुलना में दस गुना कम है। कंपनी की सह-संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने कहा, हमारा लक्ष्य कैंसर के इलाज को सस्ता और बेहतर बनाना है। क्वार्टेमी के द्वारा हम भारत में उन्नत और व्यक्तिगत इलाज ला रहे हैं, जो वैश्विक स्तर की तकनीक पर आधारित है। 2019 में शुरू हुई इम्यूनील ने 2022 में भारत की पहली सीएआर टी सेल थैरेपी का परीक्षण किया। यह परीक्षण चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर, बेंगलुरु और चेन्नई के कई अस्पतालों में हुआ। इस तकनीक में मरीज की टी-सेल्स को जेनेटिकली मॉडिफाई कर कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने के लिए तैयार किया जाता है। भारत और स्पेन में हुए परीक्षणों के अनुसार, क्वार्टेमी की सुरक्षा और प्रभावशीलता, अमेरिका में स्वीकृत सीएआर टी-सेल थैरेपी के समान ही है।

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को नियत्रिंत करने में मददगार साबित हो रहा एआई

प्रयागराज।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। मेला के लिए गंगा नदी के किनारे बसाए गए अस्थायी शहर में 1800 सीसीटीवी कैमरे एआई से सुसज्जित हैं। इन कैमरों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह किसी भी क्षेत्र में मौजूद लोगों की संख्या की 90 से 92 प्रतिशत तक सही गणना कर लेते हैं। जिन इंटीग्रेटिड कंट्रोल एंड कमांड सेंटरों से इन कैमरों की निगरानी हो रही है, वहां मौजूद पुलिस स्टाफ कैमरों में कैचर होने वाले भीड़ को देखते ही जमीनी स्तर पर मौजूद ट्रैफिक कंट्रोल देख रहे स्टाफ को भीड़ को दूसरे रास्ते में शिफ्ट करने की कमांड दे रहे है।

इंटीग्रेटिड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के प्रमुख आईपीएस अमित कुमार ने बताया कि मेला क्षेत्र में यह तकनीक ट्रैफिक कंट्रोल के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है और किसी भी क्षेत्र में ट्रैफिक जाम होने की स्थिति में ट्रैफिक दूसरे क्षेत्रों में डायवर्ट किया जा रहा है। रोजाना करीब 20 लाख श्रद्धालु प्रयागराज में आ रहे हैं और करीब 20 लाख कल्पवास की अवधि के दौरान प्रयागराज में ही रहने वाले है। इन कलवासियों के साथ एक या दो सहयोगी होते हैं और मेला पक्के तौर पर मौजूद साधुओं संतों को मिलाकर इनकी कुल संख्या करीब 50 लाख बनती है। मोटे तौर पर प्रयागराज में प्रतिदिन 65 से 70 लाख श्रद्धालु रोजाना रहते हैं। आईपीएस कुमार ने बताया कि कुंभ मेला में 17 प्रवेश बिंदु हैं, इसलिए वहां और निकास बिंदुओं पर आमद की निरंतर निगरानी की जा रही है। इसके लिए डाटा एनालसिस का प्रयोग किया जा रहा है उन्होंने कहा, सरकारी अनुमानों के अनुसार, इस बार महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक लोग शामिल होंगे। इसलिए, भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है, लेकिन एआई हमें एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में मदद कर रहा है।

-स्थानीय नेताओं की निष्क्रीयता पर शीर्ष नेतृत्व की नाराजगी और नसीहत

दिल्ली विधानसभा चुनाव: राहुल-प्रियंका पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, लेकिन कांग्रेस के लोकल नेताओं व पार्टी कार्यकर्ताओं ने जमीनी कार्य करने में जोश नहीं दिखाया है,

जिसे लेकर पार्टी शीर्ष नेतृत्व की चिंता बढ़ गई है। इसे लेकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत अन्य शीर्ष नेताओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए चुनाव प्रचार-प्रसार की रणनीति बनाने और उस पर सौ प्रतिशत कार्य करने की नसीहत दे दी है। कांग्रेस सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड सांसद व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी दिल्ली चुनाव प्रचार अभियान को लेकर काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं, इसे देखते हुए स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता पार्टी के चुनावी प्रयासों को कमजोर करती दिखी है।

यही वजह है कि बीते सोमवार राहुल और प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के साथ ऑनलाइन मीटिंग की।

इस मीटिंग में चुनाव प्रचार की धीमी रफ्तार और स्थानीय नेताओं के कम उत्साह पर सख्त नाराजगी जताई गई। इस बैठक में राहुल गांधी ने कहा, कि चुनाव सिर्फ शीर्ष नेतृत्व के भरोसे नहीं जीता जा सकता।

जबकि प्रियंका गांधी ने स्थानीय नेताओं को आक्रामक प्रचार रणनीति अपनाने और जनता के बीच कांग्रेस की योजनाओं को ले जाने जैसे निर्देश दिए हैं।

स्थानीय नेताओं को सख्त निर्देश

कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन और प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने स्थानीय नेताओं को निर्देश दिया कि वे आक्रामक अभियान चलाएं और पार्टी की योजनाओं को जनता तक प्रभावी तरीके से पहुंचाएं।

कांग्रेस की पांच गारंटियां

यहां बताते चलें कि कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में पांच गारंटियों को प्रमुखता दी है।

इनमें महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष घोषणाएं शामिल हैं। रिपोर्ट बताती है कि स्थानीय नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता के चलते पार्टी का यह संदेश जनता तक प्रभावी तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है।

इसे देखते हुए राहुल गांधी दिल्ली चुनाव में अब सक्रिय हो रहे हैं और लगातार रैली और जनसभाओं के जरिए मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने को तैयार हैं।

राहुल की रैलियां

राहुल गांधी अब अपनी जनसभाओं की ताबड़तोड़ शुरुआत करने जा रहे हैं, इसके तहत-

- 22 जनवरी- सदर बाजार - मुस्लिम, दलित और ब्राह्मण मतदाताओं पर नजर।
- 23 जनवरी- मुस्तफाबाद - मुस्लिम बहुल क्षेत्र।
- 24 जनवरी- मादीपुर - अनुसूचित जाति की सुरक्षित सीट, जहां सिख मतदाताओं का भी प्रभाव है।

कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व पूरी सक्रियता से प्रचार अभियान में जुटा है, लेकिन स्थानीय नेताओं की निष्क्रियता पार्टी के लिए चुनौती बन सकती है।

राहुल गांधी की आगामी रैलियां कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास हैं। अब देखना होगा कि क्या कांग्रेस अपने स्थानीय नेताओं को सक्रिय कर दिल्ली में अपनी स्थिति मजबूत कर पाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप शासन 2.0 शुरू-अमेरिका बनेगा महान-प्रथम भाषण में घोषित किया प्लान

हमारी संप्रभुता को पुनः प्राप्त किया जाएगा। हमारी सुरक्षा बहाल की जाएगी। न्याय के तराजू को फिर से संतुलित किया जाएगा। जस्टिस डिपार्टमेंट और हमारी सरकार का क्रूर, हिंसक और अनुचित हथियारीकरण समाप्त हो जाएगा।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमारी प्राथमिकता एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करने की होगी जो गौरवान्वित, समृद्ध और स्वतंत्र हो। अमेरिका को पहले से कहीं ज्यादा महान, मजबूत और कहीं ज्यादा असाधारण होना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन पर अपनी आगामी कार्यकारी कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि वह दक्षिणी सीमा पर आपातकाल की घोषणा करेंगे और अपने पहले कार्यकाल में लागू की गई कई नीतियों को फिर से लागू करेंगे।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनांनी)

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के करीब करीब हर देश में 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के स्थानीय समय अनुसार दोपहर 12 बजे वह विभिन्न देशों के स्थानीय समय के साथ-साथ भारत के स्थानीय समय रात्रि 10:30 को, हर हितधारक या रुचिधारक व्यक्ति की नजरें एकटक संचार माध्यमों जैसे टीवी मोबाइल रेडियो आदि पर लगी हुई थी,जहां डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण कर रहे थे। मैं स्वयं भी अपने मोबाइल पर देर रात्रि करीब 3 बजे तक डिबेट, समाचार, विचार सुनता रहा फिर आर्टिकल तैयार किया हूं। मैं मोबाइल पर भारत सहित विश्व की अनेकों टीवी चैनलों पर रिसर्च कर देखा तो मुझे करोड़ों लोग लाइव देखते हुए मिले किसी चैनल में हजारों तो किसी चैनल में लाखों लोग लाइव देखते हुए मिले एक अमेरिकी चैनल में 4.5 के यूजर्स का आंकड़ा भी मुझे दिखा। सबसे पहले उपराष्ट्रपति के लिए जे डी वैन्स ने शपथ ग्रहण किया उसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली,फिर उन्होंने अपने पहले ही संबोधन में फैसलों की लगा दी झड़ी,दुनियाँ की नींद उड़ी, क्योंकि करीब करीब 13 से अधिक कड़े फैसले तुरंत ही लिए गए (1) अमेरिका फर्स्ट की नीति पर काम करेगी सरकार (2) मेक्सिको की खाड़ी का नाम अमेरिका की खाड़ी रखा जाएगा (3) मेक्सिको बॉर्डरपर इमरजेंसी का प्लान (4) ड्रग्स तस्करों को आतंकवादी घोषित किया (5) घुसपैठियों को रोकने के लिए सेना की मदद (6)अमेरिका में अब से थर्ड जेंडर नहीं रहेगा (7) अमेरिका में सबको बोलने की आजादी, इशारा अश्वेतों की तरफ (8) ड्रिल बेबी ड्रिल नीति का ऐलान (9) दूसरे देशों पर टैक्स व टैरिफ बढ़ाएंगे (10) अमेरिका में सैनिकों के अधिकार बढ़ाएंगे (11) 20 जनवरी 2025 अमेरिका में नई आजादी का दिन (12) दूसरे देशों की जंग में अमेरिका की सेना नहीं जाएगी (13) पनामा नहर से चीन का अवैध कब्जा हटेगा। बता दें इन फैसलों में भारत को सिर्फ नई आवर्जन नीति से फर्क पड़ सकता है, क्योंकि चैनल पर डिबेट में बताया गया की 2022 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में भारतीय मूल की आबादी 6 पर्सेंट यानें 27 लाख है, जिसमें 7.25 लाख अवैध भारतीय हैं जिनमें 1100 लोगों को पिछले वर्ष सख्ती से वापस भेज दिया गया था। ट्रंप से 62 गुना अमीर एलन मस्क का जलवा भी दिखा! एक जमाना था ट्विटर ने ट्रंप का अकाउंट बंद कर दिया था,जो आगे चलकर एलन मस्क ने खरीदा व ट्विटर से नाम बदलकर एक्स रख दिया। एक अनोखी बात यह हुई कि ट्रंप अपने पहले ही भाषण में जो बाईडेन के बीते 4 वर्षों की आलोचना तक कर दी। चूँकि ट्रंप शासन 2.0 शुरू-अमेरिका बनेगा महान प्रथम भाषण में घोषित किए गए प्लान, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति बने ट्रंप, पहले भाषण में ही फसलों की झड़ी, दुनियाँ की नींद उड़ी।

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा राष्ट्रपति की शपथ के बाद तुरंत संबोधन की करें तो, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अमेरिका का स्वर्ण युग अभी शुरू हो रहा है। इस दिन से हमारा देश फिर से समृद्ध होगा और पूरी दुनिया में इसका सम्मान किया जाएगा।मैं बहुत ही सरलता से अमेरिका को सबसे पहले रखूंगा। हमारी संप्रभुता को पुनः प्राप्त किया जाएगा। हमारी सुरक्षा बहाल की जाएगी। न्याय के तराजू को फिर से संतुलित किया जाएगा। जस्टिस डिपार्टमेंट और हमारी सरकार का क्रूर, हिंसक और अनुचित हथियारीकरण समाप्त हो जाएगा।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमारी प्राथमिकता एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करने की होगी जो गौरवान्वित, समृद्ध और स्वतंत्र हो। अमेरिका को पहले से कहीं ज्यादा महान, मजबूत और कहीं ज्यादा असाधारण होना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन पर अपनी आगामी कार्यकारी कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि वह दक्षिणी सीमा पर आपातकाल की घोषणा करेंगे और अपने पहले कार्यकाल में लागू की गई कई नीतियों को फिर से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि वह पकड़ो और छोड़ो की प्रथा को समाप्त करेंगे और मैक्सिकन ड्रग कार्टेल को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करेंगे। ट्रंप ने अपने भाषण के दौरान कहा, मैं इस विश्वास और आशा के साथ राष्ट्रपति पद पर वापस आ रहा हूं कि हम राष्ट्रीय सफलता के एक रोमांचक नए युग की शुरुआत में हैं। देश में बदलाव की लहर चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार विश्वास के संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी और भ्रष्ट प्रतिष्ठान ने कई वर्षों से देश पर कहर बरपाया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब बुनियादी सेवाएं प्रदान नहीं कर सकती है, उन्होंने पश्चिमी उत्तरी कैरोलिना को तबाह करने वाले तूफान के विनाशकारी नतीजों की ओर इशारा किया। उन्होंने तर्क दिया कि दक्षिणी सीमा पर स्थिति नियंत्रण से बाहर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, आज से यह सब बदल जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उनकी हालिया जीत अमेरिकी लोगों के साथ किए गए भयानक विश्वासघात को पूरी तरह से पलटने का जनादेश है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे लोगों को उनका विश्वास, धन, लोकतंत्र और स्वतंत्रता वापस दिला पाएंगे। उन्होंने कहा, इस क्षण से अमेरिका का पतन समाप्त हो गया है। ट्रंप ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उन्हें इतिहास के किसी भी राष्ट्रपति की तुलना में ज्यादा परीक्षा और चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे गणतंत्र को फिर प्राप्त करने की यात्रा आसान नहीं रही है। ट्रंप ने पिछले साल पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुई उस घटना का उदाहरण दिया जिसमें उन पर गोली चलाई गई थी और गोली उनके कान को छूते हुए निकल गई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मेरी जान किसी कारण से बचाई गई। मुझे भगवान ने अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए बचाया । ट्रंप ने कहा कि वह हर जाति, धर्म, रंग और पंथ के अमेरिकियों के लिए आशा, समृद्धि और शांति वापस लाने के लिए उद्देश्य और गति के साथ आगे बढ़ेंगे। ट्रंप ने उन राज्यों में अपनी बड़ी जीत की ओर इशारा किया, जहां मुकाबड़ा कड़ा माना जा रहा था। ट्रंप ने कहा, अश्वेत और हिस्पैनिक समुदायों को, मैं आपके वोट के माध्यम से मुझे दिखाए गए प्यार और विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मैंने अभियान में आपकी आवाज सुनी है और मैं आने वाले वर्षों में आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अब अमेरिका में राष्ट्रीय एकता लौट रही है और आत्मविश्वास और गौरव पहले से कहीं ज्यादा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, हम जो कुछ भी करेंगे, उसमें मेरा प्रशासन उत्कृष्टता और निरंतर सफलता की प्रबल खोज से प्रेरित होगा। हम अपने देश को नहीं भूलेंगे, अपने संविधान को नहीं भूलेंगे और अपने ईश्वर को नहीं भूलेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह अपने कैबिनेट सदस्यों को मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का आदेश देंगे। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा करेंगे। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह बाइडेन युग के इलेक्ट्रिक वाहन जनादेश को रद्द कर देंगे।आगे कहा कि वह अपने कैबिनेट सदस्यों को मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का आदेश देंगे। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा करेंगे। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह बाइडेन युग के इलेक्ट्रिक वाहन जनादेश को रद्द कर देंगे। कई दशकों में ऐसा पहली बार हुआ जब राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह खुले में ना होकर अमेरिकी संसद के भीतर हुआ। राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले भाषण में ट्रंप ने कई बड़े ऐलान किए, ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, अमेरिका का स्वर्णिम दौर आज से शुरू हो गया है।उन्होंने मेक्सिको के साथ लगती अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की घोषणा की और सेना भेजने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि हम अवैध प्रवासियों को वहीं छोड़कर आएंगे, जहां से वो आए हैं।ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में अब सिर्फ दो जेंडर होंगे - महिला और पुरुष। लॉस एंजिल्स की आग पर ट्रंप ने कहा, हम ऐसा नहीं होने दे सकते, हमारे पास एक पब्लिक हेल्थ सिस्टम है जो आपदा के समय काम नहीं करती है, फिर भी दुनियाँ के किसी भी देश की तुलना में इस पर अधिक पैसा खर्च किया जाता है। हमारे पास एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो हमारे बच्चों को कई मामलों में खुद पर शर्म करना और हमारे देश से नफरत करना सिखाती है। यह सब आज से ही बदल जाएगा। साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम द्वारा ट्रंप को एक पर बधाई देने की करें तो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्सः पर एक पोस्ट में लिखा, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में आपके ऐतिहासिक इनागुरेशन डे पर आपको बधाई। मैं हमारे दोनों देशों को लाभ पहुंचाने और दुनियाँ के लिए बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए एक बार फिर साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

संपादकीय

स्वदेशी खेल में बने विश्व चैंपियन

ब्रिटिश काल में भारत में तमाम ऐसे खेल पनपे जिन्होंने परंपरागत स्वदेशी खेलों को हाशिये पर डाल दिया। एक ओर जहां महंगे खर्च वाले खेलों को तरजीह दी गई, वहीं बिना खर्च के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य बढ़ाने वाले खेलों के प्रति हेय भाव जगाया। यही वजह है कि बाजार के खेल में हॉकी, शरीर सौष्ठव के कलात्मक खेल व खो-खो जैसा संपूर्णता का स्वास्थ्य देने वाला खेल अनदेखी का शिकार हुए। यह सुखद ही है कि भारत में पहली बार दुनिया में खो-खो की वैश्विक स्पर्धा हुई। जिसमें विश्व के दो दर्जन देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। पिछले दिनों पंद्रह जनवरी से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खो-खो वर्ल्ड कप की शुरुआत हुई थी। जिसका समापन उन्नीस जनवरी को हुआ। भारतीय महिला व पुरुष टीम ने नेपाल को हराकर खिताबी जीत हासिल की। महिला टीम ने दक्षिणी अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत से जिस विजय अभियान की शुरुआत की थी, उसका समापन नेपाल के खिलाफ शानदार जीत से हुआ। इस तरह अब भारत महिला व पुरुष वर्ग में पहली वर्ल्ड चैंपियन टीम बन गई है। रविवार को हुए फाइनल मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों को खुश होने का अवसर दे दिया। लेकिन एक बात जरूर अखरती है कि इस वर्ल्ड चैंपियन टीम को कोई प्राइज मनी नहीं दी गई है। नई दिल्ली में आयोजित पहले खो-खो विश्व कप में महिला और पुरुष दोनों वर्ग में वर्ल्ड चैंपियन बनने पर केवल ट्रॉफी व खिलाड़ियों को मेडल ही दिए गए। भारतीय खो-खो फैडरेशन की दलील थी कि टैक्स कानून की जटिलताओं की वजह से कैश प्राइज नहीं दिए गए। कहा गया कि इससे विदेशी खिलाड़ियों को दिक्कत पैदा हो सकती थी। हालांकि, इस पहले खो-खो वर्ल्ड कप को पर्याप्त प्रायोजक भी मिले थे। ऐसे में पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाले खिलाड़ियों को कैश प्राइज दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए था। निश्चित रूप से इस स्वदेशी खेल के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिये विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। निश्चय ही हाल के वर्षों में भारतीय खो-खो फेडरेशन यानी केकेएफआई ने श्रम-साध्य प्रयास किए हैं। यह भारतीय खेल दुनिया के अनेक देशों में नहीं खेला जाता। इसे लोकप्रिय बनाने के लिये न केवल दूसरे देशों को प्रेरित किया गया बल्कि भारत से वहां इस खेल को सिखाने के लिये कोच भी भेजे गए। इन देशों में खो-खो फेडरेशन बनाने में सहयोग किया गया। जिससे दुनिया के विभिन्न देशों में इस खेल के प्रति दिलचस्पी पैदा हुई। निश्चित रूप से खो-खो भारत में खेला जाने वाला ऐसा खेल है जिसको जीतने के लिये न केवल रणनीति की जरूरत होती है बल्कि मनुष्य के आदर्श गुणों चुस्ती-फुर्ती, गतिशीलता व सहनशक्ति की भी आवश्यकता होती है। जो इस खेल को लोकप्रिय बनाने में सहायक है। निस्संदेह, भारत में खो-खो लीग के प्रयासों से भी इस खेल को प्रोत्साहन मिला। बाकायदा इस खेल को लोकप्रिय बनाने के लिये सलमान खान को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। अब विश्व कप के आयोजन से इसकी वैश्विक लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा। खो-खो फेडरेशन की कोशिश है कि आने वाले वर्षों में इसे एशियाड व ओलंपिक खेलों में शामिल किया जाए।

रेवड़ियों की राजनीतिः चुनाव जीतने का आसान तरीका

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

दिल्ली चुनाव में किसे मिल रहा है फ्रीबीज का असल फायदा? ये सब बड़ा सवाल हो गया है, चूंकि अब सारी की सारी पार्टियां मुफ्त रेवड़ियों के आसरे ही चुनाव लड़ रहीं हैं द्य विकास, सुशासन जैसे मुद्दे अब गौण हो चले हैं द्य दरअसल मुफ्त रेवड़ी अब चुनाव जीतने की गारंटी बन गईं हैं द्य यही कारण है कि अब सारी की सारी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए मुफ्त रेवड़ियों बांटने के लिए वायदों की बौछार कर रही हैं द्य एक समय रेवड़ी बांटने वाली पार्टियों को प्रधानमंत्री मोदी ने आड़े हाथों लिया था, लेकिन आज पीएम मोदी खुद रेवड़ी बांटने एवं रेवड़ी के वायदे करने वालों में टॉप पर हैं द्य दूसरी तरफ़ फ्रीबीज पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा था द्य पिछले एक साल में केंद्र सरकार यह नहीं बता पाई है कि असल में फ्रीबीज है क्या? इधर दिल्ली में मुफ्त वादों की झड़ी लग गई है द्य वादे करने में सभी पार्टियां आगे चल रही है द्य फ्रीबीज यानी राजनीतिक फायदे के लिए चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाएं (रेवड़ी) मुहैया कराने की कोई कानूनी परिभाषा अभी नहीं है द्य शायद इसे परिभाषित करना भी जटिल है, इसलिए केंद्र सरकार एक साल से इसका जवाब ढूंढ रही है, कि क्या ज़वाब दिया जाए द्य पिछले कुछ चुनावों के अनुभव हक़ीक़त बयान कर रहे हैं कि जहां रेवड़ियाँ बांटी गईं हैं वहाँ वहाँ तमाम पार्टियों ने चुनाव जीत लिए हैं, चाहे एमपी, हरियाणा में भाजपा हो, महाराष्ट्र में एनडीए हो, फिर चाहे झारखंड में मुक्ति मोर्चा हो सभी को रेवड़ी के नाम पर जबरदस्त फायदा हुआ है द्य

हालांकि अब कुछ सवाल शुरू हो गए हैं और उन्हें पूछना भी ज़रूरी हो जाता है द्य दिल्ली की राजनीति से शुरू हुई यह कवायद किसी वायरस की तरह अन्य राज्यों में फैलने लगी है द्य हकीकत ये है कि देश की राजधानी की प्रति व्यक्ति आय देश में तीसरे स्थान पर है, जबकि बेरोजगारी में सबसे कम दर वाले राज्यों में दिल्ली का नाम आता है द्य फिर क्यों जनता को मुफ्त की रेवड़ी की जरूरत है? अर्थशास्त्रियों, कानूनविदों की माने तो फ्रीबीज के राजनीतिक फायदे का आकलन दलों ने भी किया द्य यही वजह है कि दिल्ली के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में चुनाव के दौरान किया गया द्य आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत में वोटर तीन स्तरों का है- उच्च वर्ग, मध्य वर्ग और निम्न वर्ग या गरीब द्य इनमें सब कैटेगरी भी है, लेकिन महंगाई, टैक्स, बेरोजगारी की जद्दोजहद और सुविधाओं को जुटाने की कवायद सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है द्य इसमें भी तीन स्तर हैं- उच्च मध्यम वर्ग, सामान्य मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग, फ्रीबीज का सीधा फायदा इन्हें भी मिलता है द्य हाशिए पर रहने वालों को निशाने पर रखकर राजनीति का दौर फ्रीबीज के आने पर पुराना हो गया है द्य इसके गलत और सही होने का फैसला या परिभाषित करने का हल सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले से निकल आएगा, लेकिन आंकड़ों की हकीकत ये सवाल उठाती है कि देश की राजधानी में रहने वाली जनता सक्षम है तो उसे फ्रीबीज की क्या जरूरत है?

कई विद्वान बढ़ती टैक्स और महंगाई की दरों के चलते इसे जायज करार देते हैं, जबकि एक धड़ा इसके बिल्कुल खिलाफ है द्य हालांकि मैनिफेस्टो यानी चुनावी घोषणापत्र में राजनीतिक दल सरकार बनने पर सुविधाएं मुहैया कराने का ब्यौरा दे सकती है द्य तमाम अर्थशास्त्रियों कहना है कि फ्रीबीज की कानूनी परिभाषा तय होना जरूरी है द्य केंद्र से सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस पर सवाल किए हुए एक साल से ज्यादा समय हो चुका है द्य

देखना दिलचस्प होगा कि केंद्र सरकार इस पर अदालत को क्या सुझाती है, लेकिन इस हकीकत को कोई नहीं नकार सकता कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4,61,910 रुपये सामने आई थी, जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद सबसे ज्यादा है द्य दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1,84,205 रुपये से दोगुनी से अधिक है द्य यही नहीं, दिल्ली सरकार द्वारा प्रतिवर्ष जारी की जाने वाली हैंडबुक पर गौर किया जाए तो राष्ट्रीय राजधानी की प्रति व्यक्ति आय में 7.4 प्रतिशत वार्षिक बढ़ोतरी का अनुमान भी है द्य जबकि आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) द्वारा गतवर्ष सितंबर में जारी एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक बेरोजगारी दर में भी दिल्ली अन्य राज्यों से काफी निचले पायदान पर है द्य रिजर्व बैंक के मुताबिक, मार्च 2024 तक सभी राज्य सरकारों पर कुल 75 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था जो मार्च 2025 तक बढ़कर 83.31 लाख करोड़ से भी ज्यादा हो जाएगा द्य देश में सबसे ज्यादा कर्ज तमिलनाडु पर है द्य तमिलनाडु पर 8.34 लाख करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश पर 7.69 लाख करोड़ रुपये, महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये, गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है द्य ये मुफ़्त की रेवड़ियाँ विकास का मॉडल नहीं अपितु राजनीतिक पार्टियों का चुनाव जीतने का उपाय बन गया है, जिसने विकास के मुद्दो को गौण कर दिया है द्य

(लेखक पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

क्या है कृष्णकर्म?

ऐसा कोई कार्य न करें जो कृष्ण से संबंधित न हो। कोई भले ही कितने ही कर्म क्यों न करे, किंतु उसे उनके फल के प्रति आसक्ति नहीं होनी चाहिए। यह फल तो कृष्ण को ही अर्पित किया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, यदि कोई व्यापार में मस्त है, तो उसे इस व्यापार को कृष्णभावनामृत में परिणत करने के लिए, कृष्ण को अर्पित करना होगा। यदि कृष्ण व्यापार के स्वामी हैं, तो इसका लाभ भी उन्हें ही मिलना चाहिए। यदि किसी व्यापारी के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति हो और यदि वह इसे कृष्ण को अर्पित करना चाहे, तो वह ऐसा कर सकता है। यही कृष्णकर्म है। अपनी इंद्रियतृप्ति के लिए विशाल भवन न बनवाकर, वह कृष्ण के लिए सुंदर मंदिर बनवा सकता है, कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कर सकता है। यह सब कृष्णकर्म है।

मनुष्य को अपने कर्मफल में लिप्त नहीं होना चाहिए, अपितु इसे कृष्ण को अर्पित करके बची हुई वस्तु को प्रसाद रूप में ग्रहण करना चाहिए। यदि कोई कृष्ण के लिए विशाल भवन बनवा देता है और उसमें कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कराता है, तो उसमें उसे रहने की मनाही नहीं होती, लेकिन कृष्ण को ही इस भवन का स्वामी मानना चाहिए। यही कृष्णभावनामृत है। किंतु यदि कोई कृष्ण के लिए मंदिर नहीं बनवा सकता तो वह कृष्ण-मंदिर की सफाई में तो लग सकता है, यह भी कृष्णकर्म है। मत्परमः शब्द उस व्यक्ति के लिए आता है जो अपने जीवन का परमलक्ष्य, भगवान कृष्ण के परमधाम में उनकी संगति करना मानता है। ऐसा व्यक्ति चंद्र, सूर्य या स्वर्ग जैसे उच्चतर लोकों में अथवा ब्रह्मांड के उच्चतम स्थान ब्रह्मलोक तक में जाने का इच्छुक नहीं रहता। उसे इसकी तनिक भी इच्छा नहीं रहती। क्योंकि वह तो सर्वोच्च आध्यात्मिक लोक में जाना चाहता है, जिसे कृष्णलोक या गोलोक वृंदावन कहते हैं।

विचार मंथन

पिछले 5 वर्षों में मध्य प्रदेश के 7000 से अधिक छात्र बैंकों में डिफॉल्टर

(लेखक- सनत जैन)

- आगे नहीं मिलेगा आसानी से कर्ज

मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा के लिए वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच में 73504 छात्रों ने बैंकों से कर्ज लिया था। पढ़ाई पूरी होने के बाद इन युवाओं को नौकरी नहीं मिली। इस स्थिति में बैंकों ने 7294 छात्रों को डिफाल्टर घोषित करते हुए, उनके बैंक खाता एनपीए में डाल दिए हैं। बैंकों की इस कार्रवाई से भविष्य में छात्रों को आसानी से बैंकों से लोन मिलना संभव नहीं होगा। वहीं छात्रों की सिबिल स्कोर रेटिंग गड़बड़ हो जाने के कारण उनका पूरा भविष्य ही अंधकार में हो गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने के बाद भी ना तो उन्हें नौकरी मिली और न ही आगे बैंकों से कर्ज ही मिलेगा। यदि कर्ज मिलेगा तो बहुत ज्यादा ब्याज देना पड़ेगा। भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिलेगा। बैंक अधिकारियों का कहना है, नौकरी नहीं मिल पाने के कारण उच्च शिक्षा के लिए जिन छात्रों ने लोन लिया था, वे बड़ी संख्या में डिफाल्टर हो रहे हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। जिसके कारण छात्रों का लोन उनके परिवार के लोग भी नहीं चुका पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में पिछले 5 सालों में 395 छात्रों ने एक करोड़ रुपए से ज्यादा पढ़ाई के लिए लोन लिया है। ऐसे छात्रों का भविष्य अंधकार में हो गया है। मेडिकल चिकित्सा के लोन और उसमें पढ़ने वाले छात्रों की हालत सबसे ज्यादा खराब है। मेडिकल की पढ़ाई सबसे महंगी है। 5 साल कोर्स करने के बाद जब वह नौकरी में जाते हैं तो उन्हें अधिकतम 40000 से लेकर 60000 रुपये प्रति माह की नौकरी मिलती है। जिसके कारण वह स्वयं का भी खर्चा नहीं निकाल पाते हैं। ना ही लोन की किस्त भर पाते हैं। पीजी कोर्स के लिए करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। मध्य प्रदेश के रोजगार पोर्टल पर 20 नवंबर 2024 को 26,17,945 बेरोजगार पंजीकृत थे। पिछले 1 वर्ष में निजी क्षेत्र में केवल 58351 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। सरकारी नौकरी इस बीच में तीन अंको से कम निकली हैं। जिसके कारण युवाओं को उच्च शिक्षा के बाद नौकरी ना तो सरकारी क्षेत्र में मिल रही है और ना ही निजी क्षेत्र में मिल रही है। ऐसे में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही चली जा रही है। इस कारण युवाओं में अब आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस स्थिति को देखते हुए युवाओं में उच्च शिक्षा के प्रति रुझान खत्म होता जा रहा है। पिछले 1 वर्ष में सबसे कम एडमीशन पीजी कोर्स में हुए हैं। कई कॉलेज और विश्वविद्यालय में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की सीटें नहीं भर पा रहे हैं। जिसके कारण कई कॉलेज अब बंद भी होने लगे हैं। सरकार ने भी स्कॉलरशिप को पहले की तुलना में घटा दिया है। जिस तरह से मध्य प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है, उसको देखते हुए युवाओं में असंतोष बड़ी तेजी के साथ फैलता चला जा रहा है। उच्च शिक्षित युवा अपने परिवार से भी दूर होते जा रहे हैं। परिवार ने उनकी शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च किए, लेकिन वह परिवार की मदद करना तो दूर अपने खर्चे के लिए भी अपने परिवार के ऊपर निर्भर रहते हैं। जिसके कारण पारिवारिक तनाव दिनों दिन बढ़ता चला जा रहा है। युवाओं में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी बढ़ती जा रही है। जो चिंता का विषय है। सामाजिक व्यवस्थाओं में युवाओं को रोजगार और नौकरी नहीं मिलने के कारण 30-32 साल की उम्र में भी उनकी शादी नहीं हो पा रही है। शादी के लिए लड़की पक्ष वाले युवक की आय, रोजगार और नौकरी के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हैं। यदि उस युवा और उसके परिवार की स्थिति अच्छी है, तभी वह अपनी लड़की की शादी करने के लिए सहमत होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से बेरोजगारी बढ़ती चली जा रही है। इसका सबसे बड़ा असर युवा और युवतियों के करियर और उनकी शादी मे देखने को मिल रहा है। वर्तमान में 60 फीसदी से ज्यादा युवा और युवती 25 से लेकर 35 साल की उम्र में शादी के बंधन में बंध रहे हैं। उनका प्रतिशत भी बहुत कम है। रोजगार नहीं मिलने के कारण युवा वर्ग शादी के बंधन से बचने लगा है। युवाओं में लीव एंड रिलेशनशिप में रहने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गो फर्स्ट एयरलाइन के खिलाफ एनसीएलटी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गो फर्स्ट एयरलाइन के परिसमापन की मंजूरी दे दी। यह कंपनी पिछले कुछ सालों से वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रही थी। इस निर्णय के बाद कंपनी गति से वित्तीय संकट से बाहर होगी। न्यायाधिकरण ने कहा कि कंपनी के 54 विमानों का पंजीकरण रद्द किया गया है। इसके चलते कंपनी का परिचालन ठप हो गया है। इस कदम से कर्जदाताओं को नुकसान हो सकता है। एयरलाइन ने मई 2023 में एनसीएलटी में दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। अब उन्हें सम्भावित समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। गो फर्स्ट के बंद होने से यात्री किसी अन्य विमानन सेवा का उपयोग कर सकते हैं। सुरक्षित रहने के लिए वे सही विकल्प की तलाश में निकलें। वित्तीय संकट कारगर उपायों से पूरी तरह से बाहर निकलने के लिए इस समय में कंपनी को सख्ती से अपनी योजनाएं बनानी होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि कर्जदाताओं के हितों का भी ध्यान रखा जाए।

12 फीसदी से अधिक गिरा जोमेटो का शेयर

बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर

नइ दिल्ली । ऑनलाइन फूड डिलीवरी और ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरों में तेजी से गिरावट का सिलसिला जारी है। तिमाही नतीजों के घोषणा के बाद जोंमैटो के शेयरों में 12 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट शेयर के मूल्य को 200 रुपये के स्तर पर भी नीचे ले गई है। बाजार में जोमैटो के शेयर अभी भी दबाव में हैं। बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर चल रहे हैं। इंट्रा-डे में यह 12.78 फीसदी गिरकर 210.15 रुपये तक पहुंच गए थे। पिछले कुछ दिनों से शेयर मूल्य में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट के बाद आईसीआईआई डायरेक्ट के तकनीकी चाट्‌र्स के मुताबिक जोमैटो के शेयर ने 227.2 के सपोर्ट लेवल को तोड़ दिया है। अब शेयर का सपोर्ट 201.1 पर संभावित है। वहीं अपसाइड में शेयर को 253.3, 266.9, और 279.4 पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। शेयर की स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए निवेशकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जोमैटो के शेयरों की हालिया गिरावट ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी है। जबकि जोमैटो कंपनी के प्रतिष्ठित सीईओ ने बताया कि उनके 2000 स्टोर खोलने का लक्ष्य दिसंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पहले से तय किए गए लक्ष्य से एक साल पहले हो रहा है। फिर भी फूड डिलीवरी बिजनेस की धीमी ग्रोथ ने भी जोमैटो के तिमाही नतीजों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

सोने-चांदी की कीमतों में एक बार फिर आया भारी उछाल

सोना 78,896 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 92,133 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली । सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में एक बार फिर बड़ा फेरबदल हुआ है। मंगलवार को एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 0.45 फीसदी की तेजी के साथ 78,896 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.76 फीसदी बढ़त के साथ 92,133 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। पिछले हफ्ते सोने-चांदी के दाम में तेजी रही थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार पिछले शनिवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 78,018 रुपए था, वहीं इस हफ्ते चांदी 552 रुपए महंगी होकर 90,820 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। पिछले शनिवार को ये 90,268 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का उच्च स्तर बनाया था। वहीं चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

सतीश मोरे/21जनवरी

भारत दुनिया का इंजीनियर बनने जा रहा है: अर्जेंटीना

- भारत भविष्य में एलएनजी जैसे क्षेत्र में भूमिका बढ़ाने के लिए हो सकता है महत्वपूर्ण उपभोक्ता

नई दिल्ली ।

अर्जेंटीना की तेल और गैस कंपनी वायपीएफ के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि और बड़ी आबादी के कारण विश्व के अगले दशक में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नेतृत्व करने की संभावना जताई है। उन्होंने एक बातचीत के दौरान भारत की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा किया। उन्होंने बताया कि भारत भविष्य में एलएनजी जैसे क्षेत्र में भूमिका बढ़ाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपभोक्ता हो सकता है और अर्जेंटीना भारत के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता बन सकता है। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच लिथियम के क्षेत्र में भी सहयोग के अवसरों की बात की गई है। लिथियम भारत के इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। इस मुद्दे पर भारत के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने भी महत्वपूर्ण चर्चा की और दोनों देशों के बीच मित्रता और आर्थिक संबंधों की महत्वपूर्णता पर जोर डाला। उन्होंने बताया कि भारत और अर्जेंटीना के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हो रहे हैं और उन्होंने पिछले साल अपने संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। भारत और अर्जेंटीना के बीच लिथियम खनन और अन्वेषण के क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो दोनों देशों के लिए आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है। अे धिकारी का कहना है कि भारत की वृद्धि दर बहुत मजबूत है और इसके विशाल आबादी के कारण देश इंजीनियरिंग के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करेगा।

भारत के कामगार हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं: जयंत चौधरी

दावोस । केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दावोस जाने से पहले एक बड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने मी डिया से बात करते हुए भारत के कौशल विकास की महत्वपूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के कामगार नेतृत्व की भूमिका सहित हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं और यह वैश्विक मंच पर सफलता की कहानी होगी। दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की बैठक के अवसर पर चौधरी ने कहा` कि आज पूरी दुनिया देख रही है कि भारत कौशल विकास के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कामगार जहां भी काम करते हैं, वहां अपनी क्षमता साबित करते हैं और शीर्ष नेतृत्व की भूमिकाओं सहित अपना सही स्थान हासिल करते हैं। चौधरी ने उम्मीद जताई कि दावोस में भारत को और अधिक निवेश मिलेगा और जो कंपनियां अभी भारत में मौजूद नहीं हैं, वे भी वहां आएँगी। यहां अधिकारियों और कॉरपोरेट घरानों के लोगों के साथ बैठकें करने वाले संगठन उनके भारत में निवेश करने की इच्छा का समर्थन कर रहे हैं। विशवास है कि चौधरी की इन उच्चाधिकारी के बैठकों में हिस्सा लेने से भारत का कौशल विकास होगा और दुनिया भारत की योगदान की महत्वपूर्णता को समझेगी।

चिराग पासवान ने कही भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की बात

- पासवान ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के संदर्भ में दावोस पहुंचकर अपनी वकालत की

दावोस । केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने अपने बयान में कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में कई संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के संदर्भ में दावोस पहुंचकर अपनी वकालत की। पासवान ने अपनी बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। पासवान ने अपने बयान में देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मजबूत बनाने के साथ-साथ किसानों की मदद करने का एक महत्वपूर्ण कार्य साबित करने की बात कही। उन्होंने इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के महत्व पर भी जोर दिया और उसका खाद्य सुरक्षा और अर्थिक स्थिति में योगदान करने की बात कही। पासवान ने स्पष्ट किया कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की मिशन को सफल बनाने में खाद्य संस्करण क्षेत्र का बड़ा योगदान होगा। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च संभावनाएं देखकर कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने इसके साथ ही विश्व बाजार में भारतीय व्यंजनों की मांग बढ़ने का भी उदाहरण दिया। पासवान के इस बयान से स्पष्ट है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और देश को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

शेयर बाजार : निवेशकों के 7.25 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स 1235 अंक, निफ्टी 320 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ । सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत के बाद भी शाम होते-होते बाजार टूट गया।

आज कारोबार के दौरान ही जोमैटो, अदाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज , भारतीय स्टेट बैंक , बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील और भारती एयरटेल जैसे हैवी वेटेज स्टॉक्स में भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। जानकारी के अनुसार भारत को लेकर डोनल्ड ट्रंप सरकार की योजनाओं को लेकर जारी संशय से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स लगभग 200 अंक ऊपर आकर 77,261 पर खुला। थोड़ी देर बाद में यह नीचे आने लगा। अंत में सेंसेक्स 1235 अंक करीब 1.60 फीसदी फिसलकर 75,838.36 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी बढ़त के साथ खुला था पर बाद में ये भी नीचे आने लगा। इंट्राडे कारोबार में यह 22,976.85 तक नीचे खिसक गया। अंत में निफ्टी 320 अंक तकरीबन 1.37 फीसदी की बड़ी गिरावट लेकर 23,024.65 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार रिलायंस् इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, जोमैटो, एसबीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे हैवी वेटेज वाले शेयरों में गिरावट की वजह से बाजार फिसला। इसके साथ ही अब तक ज्यादातर देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद से कम रहे हैं। इससे निवेशकों के मन में घबराहट बनी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के पड़ोसी देशों पर हायर ट्रेड टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद बाजार में भारी अस्थिरता आई। ट्रंप ने पदभार संभालने के कुछ ही घंटों के अंदर पड़ोसी देशों पर व्यापार शुल्क लगाने की योजना घोषित कर दी।

उन्होंने पदभार संभालने के तुरंत बाद कहा कि उनका प्रशासन 1 फरवरी से जल्द ही मैक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। वहीं विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरे हैं। विदेशी निवेशक जनवरी 2025 में अब तक 48,023 करोड़ रुपये की इक्विटी बेच चुके हैं। एफआईआई की लगातार बिकवाली, ट्रम्प की टैरिफ नीतियों को लेकर अनिश्चितता और कई कंपनियों के उम्मीद से कमजोर तिमाही परिणामों के दबाव में निफ्टी 320 अंक गिरकर 23,025 के स्तर पर आ गया। एफआईआई ने सोमवार को 4,337 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे जनवरी से अब तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई है।

निवेशकों को 7.25 लाख करोड़ का नुकसान

बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को 7.25 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7.25 लाख करोड़ रुपये घटकर 4,24,22,866 करोड़ रुपये रह गया।

आज इन 10 स्टॉक्स में बड़ी गिरावट

डिक्सन टेक्नोलॉजीज के शेयर 2421.50 रुपये या 13.79 फीसदी गिरकर 15132.95 पर बंद हुए।

जोमैटो का शेयर 26.30 रुपये या 10.92फीसदी नीचे आकर 214.65 रुपये पर बंद हुआ।

सायाजी होटल्स लिमिटेड का शेयर 61.85 रुपये या 16.81फीसदी गिरकर 306.15 पर बंद हुआ।

देश की जीडीपी 7 से 8 फीसदी तक बढ़ने की संभावना: डब्यूईएफ

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि की संभावना है, बताते हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्यूईएफ) ने उजागर किया है कि भारत की जीडीपी 7 से 8 फीसदी तक बढ़ सकती है। उन्होंने इसे आर्थिक सुधारों और हायर इन्वेस्टमेंट के चलते संभावना बताया है। डब्यूईएफ ने कहा कि भारत में विकास के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं और इस साल की 6 फीसदी ग्रोथ दर भी अच्छी है, लेकिन इससे भारत की गति को रोकने कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, और रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश जारी रहना चाहिए। डब्यूईएफ ने भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था में भी 20 फीसदी हिस्सेदारी की संभावना दी। उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम से सपोर्ट मिल रहा है और यहां 1,20,000 से अधिक स्टार्टअप हैं। उन्होंने उत्सुकता से बताया कि भारत में 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत का लक्ष्य वास्तविक है कि वह 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन सकता है, डब्यूईएफ के

एक अधिकारी ने कहा कि भारत जल्द ही 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। वह डिजिटल ट्रेड और सर्विसेज में भी हिस्सेदारी बढ़ रही है और यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। अंत में वर्कफोर्स के ज्यादा डिजिटलीकरण के साथ-साथ आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर उन्हें पूछा गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी लाता है और भारत के लिए नई टेक्नोलॉजी में बहुत सारे अवसर हैं। लेकिन ये छोटी अवधि में भी कुछ चुनौतियां उत्पन्न कर सकती हैं।

भारत, बेल्जियम ने औषधि व कृषि उत्पादों में व्यापार बढ़ाने को लेकर की चर्चा

-व्यापार मुद्दों को सुलझाने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर बनी सहमति

नई दिल्ली । भारत और बेल्जियम ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है जो द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा। दोनों देशों ने औषधि और कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों में व्यापार मुद्दों को सुलझाने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और बेल्जियम के विदेश एवं विदेश व्यापार मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। इस नए तंत्र के माध्यम से दोनों देश व्यापार मुद्दों को हल करने के लिए मजबूती से काम करेंगे और औषधि और कृषि उत्पादों के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं में नियामक बाधाओं पर भी चर्चा करेंगे। यह साझेदारी भारत-बेल्जियम व्यापार को और भी मजबूत बनाएगी। नेताओं ने यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता पर भी चर्चा की और व्यापार मुद्दों को प्राथमिकता देने के महत्व को साबित किया। उन्होंने उभरते क्षेत्रों में सहयोग करने का भी प्रस्ताव दिया है, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और खाद्य उत्पादों। इस साझेदारी से भारत-बेल्जियम व्यापार की प्रावृत्ति में वृद्धि की उम्मीद है और व्यापार के क्षेत्र में नयी ऊर्जा और दिशाएं प्रगति करेंगे।

किसी को भी लंबे घंटों तक काम करने के लिए नहीं कह सकता: नारायण मूर्ति

हमारी मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम होना चाहिए गरीब बच्चों के भविष्य के लिए सफलता और सुधार हो

नई दिल्ली ।

वर्क लाइफ बैलेंस के महत्व पर चर्चा नवीनतम क्रांति की ओर बढ़ रही है। इस विवाद से उठी बहस में इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति का बयान उकसाने वाला है। उन्होंने हलके से कहा कि हफ्ते में 70 घंटे काम करने की संज्ञाना बनाने की जरूरत नहीं है। मूर्ति ने कहा कि कोई भी किसी आदमी को लंबे घंटों तक काम करने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन हर किसी को 'इंट्रोस्पेक्ट' करना चाहिए और इसकी जरूरत को समझना चाहिए। यह कहते हुए उन्होंने अपने 40 वर्षीय करियर का उदाहरण दिया जहां वे हर हफ्ते 70 घंटे से अधिक काम करते थे। उनका कहना था कि इंट्रोस्पेक्ट करने से हर किसी को अपनी स्थिति को समझने में मदद मिल सकती है। अगर बात इस विवाद की मूल कहानी की तो नारायण मूर्ति ने गहराई से बताया कि महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितने घंटे काम करते हैं, बल्कि यह की हम कितने योगदान दे रहे हैं समाज में। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम होना चाहिए गरीब बच्चों के भविष्य के लिए सफलता और सुधार हो। यहां एक बड़ा सवाल उठता है कि क्या हम अपने जीवन में एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन को कैसे बनाए रख सकते हैं, जब एक उद्यमिता समाज सुधार के साथ आता है। नारायण मूर्ति के बयान से प्रेरित होकर, हमें इस विचार से गुजरना होगा कि हम कैसे अपने काम और जीवन के बीच संतुलन को बनाए रख सकते हैं।

ट्रंप के गद्दी संभालते ही वैश्विक बाजार में महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली ।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता आते ही दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में कई तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सोने के दाम से लेकर शेयर बाजार की चाल ट्रंप के आने से मानो बदली-बदली लग रही है। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले दिन ही चीन और अन्य देशों के खिलाफ व्यापक व्यापार शुल्क लगाने पर फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया। इसके चलते सोने के भाव में बढ़त बरकरार है, वहीं अमेरिकी डॉलर को नुकसान हुआ है। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने का भाव 2,707.19 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर है। उधर, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर 0.7 फीसदी गिरकर 2,730 डॉलर पर आ गया। दरअसल, अमेरिकी चुनाव में जीत के बाद पिछले कई हफ्तों से दुनियाभर में डोनाल्ड ट्रंप को लेकर यह अटकलें लगाई जा रही थी कि वे कुछ देशों पर ट्रेड टैरिफ लगाएंगे लेकिन, सत्ता संभालने के बाद उन्होंने इस पर कुछ समय के लिए विराम लगा दिया है, साथ ही इस मुद्दे पर ज्यादा समय लेने की बात कही है। इसके बाद ग्लोबल शेयर मार्केट में राहत देखने को मिली और अमेरिकी डॉलर पर दबाव नजर आया. उधर, डॉलर के कमजोर पड़ने से सोने में भी तेजी देखने को मिली। इधर, भारत में सोने के भाव में तेजी का दौर जारी है। देश के ज्यादातर शहरों में 24 कैरेट गोल्ड

का भाव 81,300 रुपये प्रति दस ग्राम के आसपास है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 75,000 रुपये प्रति दस ग्राम है।

एयरटेल ने बजाज ग्रुप के साथ किया अहम करार

- बजाज फाइनेंस के उत्पादों को एयरटेल थैंक्स ऐप पर मार्च तक उपलब्ध कराया जाएगा

नई दिल्ली ।

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी के साथ, देश के दो दिग्गज कंपनियाँ ने डिजिटल वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाया है। यह साझेदारी भारती एयरटेल के 37 करोड़ ग्राहकों के आधार को मजबूत करेगी और उन्हें विभिन्न वित्तीय उत्पादों तक पहुंचाएगी। एयरटेल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस साझेदारी के लक्ष्य को वन-स्टॉप शॉप बनाने के रूप में व्याख्या की है, जिससे ग्राहकों की सभी वित्तीय जरूरतों को पूरा किया जा सके। बजाज फाइनेंस ने इस साझेदारी को भारतीय डिजिटल बुनियादी ढांचे के लाभ देने के साथ-साथ डिजिटल परिवेश में बदलाव लाने का भी आदान प्रदान करने का आशा जताई। इस साझेदारी के तहत बजाज फाइनेंस के उत्पादों को एयरटेल थैंक्स ऐप पर मार्च तक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे ग्राहकों को और अधिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। बजाज फाइनेंस का यह कदम डेटा-संचालित ऋण और वित्तीय समावेश के माध्यम से ज्यादा लोगों की मदद करने का उद्देश्य रखता है। इस साझेदारी की सफलता से न केवल भारतीय उपभोक्ताओं को फायदा होगा, बल्कि दो कंपनियों के साथ मिलकर देश के डिजिटल माध्यमों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और वित्तीय समावेश को बढ़ावा मिलेगा। इस बड़े कदम से डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विकास होगा और उपभोक्ताओं को और अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 6 और वीएफ 7 पेश

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता विनफास्ट ने ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 6 और वीएफ 7 को पेश किया। यह कंपनी के भारत में विस्तार की शुरुआत है और इन दोनों एसयूवी में अत्याधुनिक फीचर्स और शानदार रेंज दी गई है। विनफास्ट ने वीएफ 6 को पांच सीटों वाली एक कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर पेश किया है। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, 12.9-इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, हेड-अप डिस्प्ले, और लेवल-2 अडास जैसे कई आकर्षक फीचर्स हैं। इसके अलावा, इसमें 59.6 केडब्ल्यूएच बैटरी दी गई है, जो इसे सिंगल चार्ज में 381 किलोमीटर तक चलने की क्षमता देती है। वहीं, वीएफ 7 को एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। इसमें 75.3 केडब्ल्यूएच बैटरी है, जो 431 किलोमीटर की रेंज देती है, और इसमें 348 हॉर्स पावर की मोटर लगी है। विनफास्ट की इन नई कारों के लॉन्च से भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

हालांकि, अभी ये दोनों एसयूवी भारत में लॉन्च होने की तैयारी में हैं, और जल्द ही इनकी लॉन्च डेट का खुलासा किया जाएगा। इसके अलावा, विनफास्ट ने अपने अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे वीएफ 3, वीएफ 9, वीएफ 8, और वीएफ ई34 को भी ऑटो एक्सपो में शोकेस किया। कंपनी ने इस अवसर पर वीएफ ड्रागोनफलाय नामक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को भी प्रदर्शित किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूर्यकुमार की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कोलकाता (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 क्रिकेट सीरीज के पहले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य मैच में जीत के साथ शुरुआत करना रहेगा। इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम के पास अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए लय हासिल करने का भी अच्छा अवसर रहेगा। दोनो ही टीमों में शानदार खिलाड़ी हैं, ऐस में ये सीरीज रोमांचक होना तय है। इस मैच से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। शमी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बाद पहली बार इस मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। शमी को एकदिवीय विश्वकप में टखने में चोट लग गयी थी जिसके लिए उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी है। । शमी ने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में वापसी

करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। शमी ने टी20 करियर में 2014 में पदार्पण के बाद से केवल 23 मैच खेले हैं। उन्होंने अंतिम बार इंग्लैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेला था। इस सीरीज में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, ऐसे में अक्षर का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित करना रहेगा। अक्षर ने वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में शामिल नहीं किये गये विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन कर चयकर्ताओं को करारा जवाब देना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में लगातार दो टी20 शतक लगाने वाले सैमसन इस प्रारुप में काफी सफल रहे हैं। इस मैच में ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी भी उसी प्रकार का आक्रामक प्रदर्शन करना चाहेंगे जैसा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे में किया था। उनके रहने से हार्दिक पंड्या के साथ एक और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर टीम के पास रहेगा। वहीं दूसरी ओर जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के मार्गदर्शन में जीत के साथ ही सत्र शुरु करना चाहेगी। मैकुलम अपनी आक्रामण रणनीति के लिए जाने जाते हैं जो वह इस सीरीज में भी अपनाएंगे।

इस मैच में इंग्लैंड को रीसे टॉपली, सैम कुरेन और विल जैक की कमी खलेगी हालांकि उसके पास युवा जैकब बेथेल जैस खिलाड़ी है जो अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। जैकब ने अब तक सात टी20 मैचों में 167 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस मैच से इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भी वापसी कर रहे हैं। आर्चर चोटिल होने के कारण काफी समय से टीम से बाहर थे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नीतिश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरूण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, लियाम लिविंगस्टोन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गुस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जैमी ओवरटन, जैमी स्मिथ, आदिल रशीद, साकिब महमूद, मार्क वुड।

अश्विन ने शुभमन को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आईसीसी चैम्पियंस के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है। अश्विन ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इससे संकेत दिये है कि भविष्य में शुभमन ही कप्तान बनेंगे। वहीं कुछ प्रशंसकों और विशेषज्ञों का मानना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या बेहतर विकल्प हो सकते थे।

अश्विन ने कहा, ये सोचिए कि हम मौजूदा टीम में से किसे उप-कप्तान नियुक्त कर सकते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि शुभमन को नियुक्त करने का फैसला सही था या गलत पर जो मुद्दा उठाया गया वह सही था कि वह पिछली सीरीज में भी उप-कप्तान थे। मैं गलत हो सकता हूं पर मुझे लगता है कि उन्होंने टेस्ट में भी कुछ उप-कप्तानी की है। मुझे लगता है कि यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है क्योंकि प्रबंधन इस बारे में सोच रहा होगा कि भविष्य में उनका कप्तान कौन हो सकता है।

अश्विन ने साथ ही कहा कि शुभमन सही विकल्प थे क्योंकि उन्हें अंतिम 11 में नियमित माना जा सकता है जबकि ऋषभ पंत और अक्षर पटेल अभी तक इस प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए अक्षर को उप-कप्तान बनाया गया है। अक्षर और रविन्द्र जडेजा के बीच इस बात को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा है कि दोनों में से कौन अंतिम 11 में खेलेगा। अगर हम ऋषभ पंत और केएल राहुल को देखें, तो ये दोनो ही विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। संभावना यह हो सकती है कि ये दोनो ही खेलें पर चयन समिति ने उप-कप्तानी उस खिलाड़ी को दी है, जिसकी अंतिम ग्यारह में जगह पक्की है।

केकेआर की ओर से रिटेन नहीं किये जाने से हैरान था : श्रेयस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के लिए गत माह हुई मेगा नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने श्रेयस अय्यर ने पहली बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिटेन न करने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। श्रेयस की कप्तानी में ही केकेआर ने 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में सभी का मानना था कि इस बार भी उन्हें कप्तान बनाया जाएगा।

श्रेयस ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा था कि उन्हें रिटेन कर लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी ने सत्र समाप्त होने के ठीक बाद रिटेंशन की बात की थी पर उसके बाद केकेआर की ओर से कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं किये जाने से वह हैरान हो गए। श्रेयस ने कहा, निश्चित रूप से केकेआर में चैंपियनशिप जीतने में मेरा समय शानदार रहा। वहां गुजारा हर पल मुझे पसंद आया तो जाहिर है, हमने आईपीएल चैंपियनशिप के बाद सीधे बातचीत की थी पर इसके बाद कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ। उनकी ओर से मुझसे संपर्क ही नहीं किया गया। मैं भी समझ नहीं पा रहा था कि क्या

हो रहा है, इसलिए बातचीत की कमी के कारण हम ऐसी स्थिति में आ गए जहां हम आपसी सहमति से अलग हो गए।

मेगा ऑक्शन शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए श्रेयस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर भी बने। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 रुपये में खरीदा, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ में खरीदा। नीलामी के दौरान श्रेयस अय्यर हैदराबाद में थे। उन्होंने कहा, मैं हैदराबाद में अपने कमरे से इसे देख रहा थे और मैं अच्छी रकम की उम्मीद कर रहा था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि दो टीम के बीच मुझे लेकर इतनी प्रतिस्पर्धा होगी। कुल मिलाकर मैं उत्साहित था। यहां तक कि मैं एक पॉइंट के बाद मैंने दरवाजा बंद कर वॉशरूम में चला गया।

भारत ने मेजबान मलेशिया को 35 रन पर किया ढेर, तीन ओवर में जीता मैच

कुआलालंपुर (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में अपना दबदबा जारी रखते हुए मंगलवार को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया को 10 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की।

??भारत ने टॉस जीतकर एक बार फिर बादलों से घिरे मौसम का फायदा उठाने के लिए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वैष्णवी शर्मा की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मेजबान टीम को 14.3 ओवर में मात्र 31 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने हैट्रिक भी बनाई और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जवाब में सलामी बल्लेबाज जी त्रिशा (नाबाद 27) और कमलिनी जी (नाबाद चार) ने भारत को तीन ओवर में ही लक्ष्य हासिल करने में मदद की और सभी विकेट बरकरार रहे।

पहले गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज जोशीथा वीजे ने अपनी कप्तान के फैसले का समर्थन करते हुए मलेशिया की सलामी बल्लेबाज नूनी को शून्य पर पगबाधा आउट किया। नो-बॉल पर रन आउट ने नूर आलिया को क्रीज पर बने रहने से रोक दिया, लेकिन पांचवें ओवर में

आयुषी शुक्ला के दोहरे स्ट्राइक ने मलेशिया को 15 रन के पार जाने से पहले चार विकेट पर पहुंचा दिया।

वैष्णवी ने बाएं हाथ की स्पिन का दबदबा जारी रखा, उन्होंने अपनी पहली सात गेंदों पर कप्तान नूर दानिया स्यूहादा (1) को कैच और नूरीमन (2) को बोल्ड किया। वैष्णवी ने मेजबान टीम को परेशान करना जारी रखा, अपने अंतिम ओवर में हैट्रिक लेते हुए 5-5 रन बनाए। मलेशिया 31 रन पर आउट हो गया। पिछले हफ्ते गत चैंपियन भारत ने वेस्टइंडीज पर 9 विकेट की शानदार जीत के साथ अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत की।

फखर को इन चार टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने आगामी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को लेकर भविष्य वाणी की है। फखर ने कहा है कि इसमें पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसे टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फखर ने बासित अली से कहा कि पाकिस्तान के अलावा भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें पाकिस्तान के साथ ही भारत और बांग्लादेश ए ग्रुप में है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बी ग्रुप में इंग्लैंड, न ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर औपचारिक घोषणा के साथ ही इसको लेकर संशय भी दूर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। आठ टीमों के इस आयोजन में 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैच शामिल होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होगा। रावलपिंडी, लाहौर और कराची पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले तीन स्थान होंगे। प्रत्येक स्थान पर तीन ग्रुप मैच आयोजित होंगे, साथ ही लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की भी मेजबानी करेगा। लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, ऐसी स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में आरक्षित दिन होंगे।

ऋषभ भविष्य में धोनी और रोहित जैसे सफल कप्तान बनेंगे : गोयनका

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने ऋषभ पंत को अपनी टीम का नया कप्तान बनने के एक दिन बाद ही उनकी जमकर प्रशंसा की है। गोयनका ने कहा है कि आने वाले समय में ऋषभ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे सफल कप्तानों में शामिल रहेंगे। यहां तक कि उनका नाम महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ लिया जाएगा। सुपर जायंट्स ने मेगा नीलामी में ऋषभ को आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में दिल्ली 43 मैचों में से 24 में जीती जबकि 19 में उसे हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार उनकी कप्तानी में टीम का जीत प्रतिशत 56 रहा है। वहीं, धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स और रोहित की कप्तानी में मुम्बई इंडियंस ने पांच-पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। जबकि रोहित ने भी यही उपलब्धि हासिल की है, लेकिन मुंबई इंडियंस के साथ। गोयनका ने कहा कि मेरे अनुसार ऋषभ अगले 12 से 15 साल तक खेलेंगे। लोग कहते हैं कि मुम्बई और सीएसके अधिक सफल हैं पर एक दशक के बाद विजेता कप्तानों की इस सूची में धोनी और रोहित के साथ ऋषभ भी जुड़ जाएंगे। वह आईपीएल का सबसे सफल ही नहीं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी बनेगा। मैंने उसके जैसा जुनून और जीतने की भूख वाला खिलाड़ी नहीं देखा है। अब देखना है कि ऋषभ इस पर कितने खरे उतरते हैं क्योंकि कप्तानी के अलावा सबसे बड़ी रकम मिलने से भी उनपर अतिरिक्त दबाव होगा। पिछले संस्करणों में देखा गया था कि अधिक कीमतों वाले खिलाड़ियों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव भारी पड़ा और वे असफल रहे थे। वहीं गोयनका का इस इसमें में अलग रुख है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में; आयुष और तान्या मुख्य दौर में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने यहां चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चीह की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एशियाई खेलों की चैम्पियन भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती मैच में विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर मौजूद चेन और लिन की जोड़ी को 21-16 21-15 से हराया। सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी पिछले दो सप्ताह में दो सेमीफाइनल (मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750) खेल चुकी है।

विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर काबिज तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी ने ओरनिचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकित्ता सुवाचाई की थाईलैंड की जोड़ी

को 21-6 21-14 से हराया। सात्विक और चिराग की विश्व की पूर्व नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के रेमंड इनरा और पात्रा हरपन रिंडोरिंडो की जोड़ी और थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह की जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले महीने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली अश्विनी और तनीषा की जोड़ी का अगला मुकाबला मलेशिया की पेई की गो और मेई जिंग तेओह से होगा। पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स के उपविजेता आयुष शेट्टी ने क्वालीफाइंग चरण में हमवतन किदांबी श्रीकांत को 21-7, 21-15 से हराया, जबकि तान्या हेमंत ने महिला एकल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को कड़े संघर्ष में 16-21, 21-17, 21-15 से मात दी। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) के कांस्य पदक विजेता आयुष का मुख्य ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यू क्यूई से मुकाबला होगा, जबकि तान्या के सामने थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन रत्चानोक इंतानोन की चुनौती होगी।

महाकुंभ में पहुंची फर्राटा धाविका हिमा दास, गंगा में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर (उत्तर प्रदेश)। स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास ने महाकुंभ नगर आकर गंगा में डुबकी लगाई। धिंग एक्सप्रेस के नाम से मशहूर हिमा यहां अपने दोस्तों के साथ आई थी और अपने अध्यात्मिक गुरू केशव दास जी महाराज से आशीर्वाद लिया। महाराज ने कहा, 'जब हिमा को महाकुंभ में पूर्वोत्तर शिविर के बारे में पता चला तो वह आए बिना रह नहीं सकी। वह अपने दोस्तों के साथ आई, गंगा में डुबकी लगाई और रविवार को चली गई।' उन्होंने कहा, 'वह इस अनुभव को लेकर काफी रोमांचित थी और नामघर देखने भी आई।' जकार्ता एशियाई खेल 2018 की स्वर्ण पदक विजेता हिमा 16 महीने का निलंबन खत्म होने के बाद वापसी की तैयारी में है। उनका निलंबर 22 जुलाई 2023 से 21 नवंबर 2024 तक था।

बीसीसीआई के ताजा दिशानिर्देशों से सबक लें अन्य बोर्ड : हीली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर इयान हीली ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खराब प्रदर्शन के बाद अपने खिलाड़ियों के लिए 10 दिशा निर्देश दिये हैं। उससे पता चलता है कि भारतीय टीम में अनुशासन की कमी आई है। साथ ही कहा कि अन्य देशों की टीमों को भी इससे सबक लेते हुए टीम में अनुशासन बनाये रखने पर ध्यान देना होगा, नहीं तो उन्हें भी इसी प्रकार के हालातों का सामना करना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार के बाद बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने, अभ्यास सत्रों के दौरान पूरे समय मौजूद रहने और टीम की बस में ही एकसाथ यात्रा करने को अनिवार्य कर दिया है। स्टेडियम जाने और आने के निर्देश दिए। इसके साथ ही टीम दौरे पर परिवार के साथ रहने का समय भी तय कर दिया है। हीली ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट नए सांचे में ढल रहा है। जिस प्रकार से अधिकारियों को सख्त और मजबूत रूख रखन पड़ा है। उससे पता चलता है कि टीम में अनुशासन की कमी है लेकिन खेल प्रशासकों और खिलाड़ियों ने पहले अनुशासन पर अधिक ध्यान नहीं दिया था जिससे टीम को नुकसान हुआ जिसके बाद उनकी आंखें खुलीं है। इसको देखते हुए दूसरे देशों के बोर्ड को भी सतर्क रहना होगा कि जिससे की हालात खराब होने से पहले ही संभाल लिए जाएं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग यात्रा करते और परिवार के साथ समय बिताते हुए देखे गये थे। इसके अलावा मैच तय समय से पहले समाप्त होने पर भी वह दूसरे शहरों की यात्रा पर निकल जाते थे।

दिग्गज मनीषा मल्होत्रा का बयान, कहा- टेनिस को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे

नई दिल्ली। पूर्व ओलंपियन और एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा ने भारत में टेनिस की मौजूदा स्थिति के लिये इसके प्रशासकों को दोषी ठहराते हुए कहा कि अगर देश में इस खेल को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे। पुरुष एकल में सुमित नागल 91वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। रोहन बोपन्ना पुरुष युगल में 16वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन 44 बरस की उम्र में वह अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। महिला एकल में भारत की कोई खिलाड़ी शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है जबकि महिला युगल में भी देश की कोई खिलाड़ी शीर्ष 100 का हिस्सा नहीं है। महेश भूपति के साथ मिलकर 2002 बुसान एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीतने वाली मनीषा ने देश में टेनिस के गिरते स्तर के लिए खेल का संचालन करने वाले अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट की अध्यक्ष मनीषा ने 'भाषा' से विशेष बातचीत के दौरान कहा, ''वर्तमान में टेनिस की कहानी काफी दुखद है। मैं सोचने लगती हूं कि टेनिस इतना अच्छा खेल था जहां हमारे पास इस खेल की इतनी अच्छी विरासत थी। रामानाथन कृष्णन के समय से ही ऐसा था जिसे हमने पूरी तरह से खत्म कर दियाहै।'' उन्होंने कहा, ''आज की तारीख में अगर कोई प्रगति नहीं है, कोई खिलाड़ी नहीं है तो यह हमारी ही गलती है। मुझे यह देखकर काफी दुख होता है क्योंकि मैं आज जो भी हूं टेनिस की वजह से हूं। मेरे जीवन में जो कुछ भी है, वह टेनिस की वजह से है। मैं इस बारे में कुछ कर नहीं पा रही हूं जो बैठे हैं (अधिकारी) वे कर भी नहीं रहे और जो कर रहे हैं वह खराब कर रहे हैं।''

इंग्लैंड के खिलाफ नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी टीम इंडिया, शमी की वापसी पर फोकस

कोलकाता(एजेंसी)। फिट होकर टीम में लौटे मोहम्मद शमी की वापसी पर सभी की नजरें होंगी जब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टी20 टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे पर शर्मनाक हार से मिले जख्मों पर मरहम लगाने का भी होगा।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे जो अगले महीने होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले दोनों टीमों के लिये खुद को आंकने का सुनहरा मौका है। शमी वनडे विश्व कप 2023 में चार मैचों से बाहर रहने के बावजूद भारत के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 विकेट लिए थे। उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 57 रन देकर 7 विकेट चटकाए थे। वह टी20 क्रिकेट में कुल 24 विकेट ले चुके हैं और इसमें अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर 2023 को फाइनल में मिली हार के बाद से टखने की चोट के कारण शमी टीम से बाहर हैं। इसके बाद उनके बाएं घुटने में सूजन आ गई थी। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमर में चोट होने से चैम्पियंस ट्रॉफी में उनका खेलना तय नहीं है जिससे शमी पर काफी दारोमदार होगा। शमी ने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में वापसी की और सात विकेट लेकर सत्र की पहली जीत दिलाई। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 11 और विजय हजारे ट्रॉफी में पांच विकेट लिए।

शमी ने टी20 करियर में 2014 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 23 मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेला था। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार को अभी तक भुला नहीं पाई है जिसके बाद टीम में अनुशासन बहाल करने के लिए बीसीसीआई ने कड़े दिशा निर्देश जारी किए हैं। हरफनमौला अक्षर पटेल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है जिन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

अक्षर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 31 गेंद में 47 रन बनाए और आठ मैचों में नौ विकेट भी लिये थे। भारत की चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे विकेटकीपर संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव होगा। मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी मैच में उन्हें केरल टीम में जगह नहीं मिली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में लगातार दो टी20 शतक जड़ने वाले सैमसन कई बार खुद को साबित कर चुके हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में दिसंबर में बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक जमाने वाले नीतिश रेड्डी को भी टीम में जगह मिली है। वह हार्दिक पंड्या के साथ तेज गेंदबाजी का एक और विकल्प दे सकते हैं। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के लिए मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ यह नए सत्र की शुरूआत है। टी20 विश्व कप से इंग्लैंड के बाहर होने के बाद मैथ्यू मोट ने इस्तीफा दे दिया जिसके बाद मैकुलम ने तीन साल का करार किया। टेस्ट क्रिकेट को आक्रामक खेल (बैजबॉल) की नयी परिभाषा देने वाले मैकुलम सीमित ओवरों के प्रारूप में भी उसे दोहराना चाहेंगे।

आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके मैकुलम के लिये ईडन गार्डन नया नहीं है। इंग्लैंड को रीसे टॉपली, सैम कुरेन और विल जैक की कमी खलेगी लेकिन 21 वर्ष के जैकब बेथेल अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। उन्होंने अब तक सात टी20 मैचों में 167 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। शमी की ही तरह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। वैसे भारत में शाम

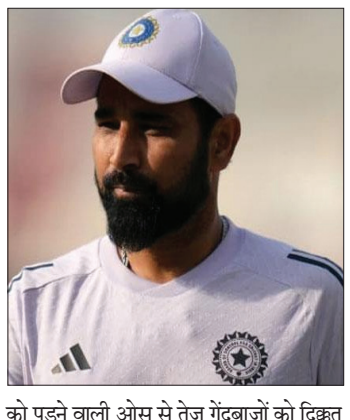

को पड़ने वाली ओस से तेज गेंदबाजों को दिक्कत हो सकती है। इसके बाद 25 जनवरी को दूसरा टी20 चेन्नई में, 28 जनवरी को राजकोट, 31 जनवरी को पुणे और दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

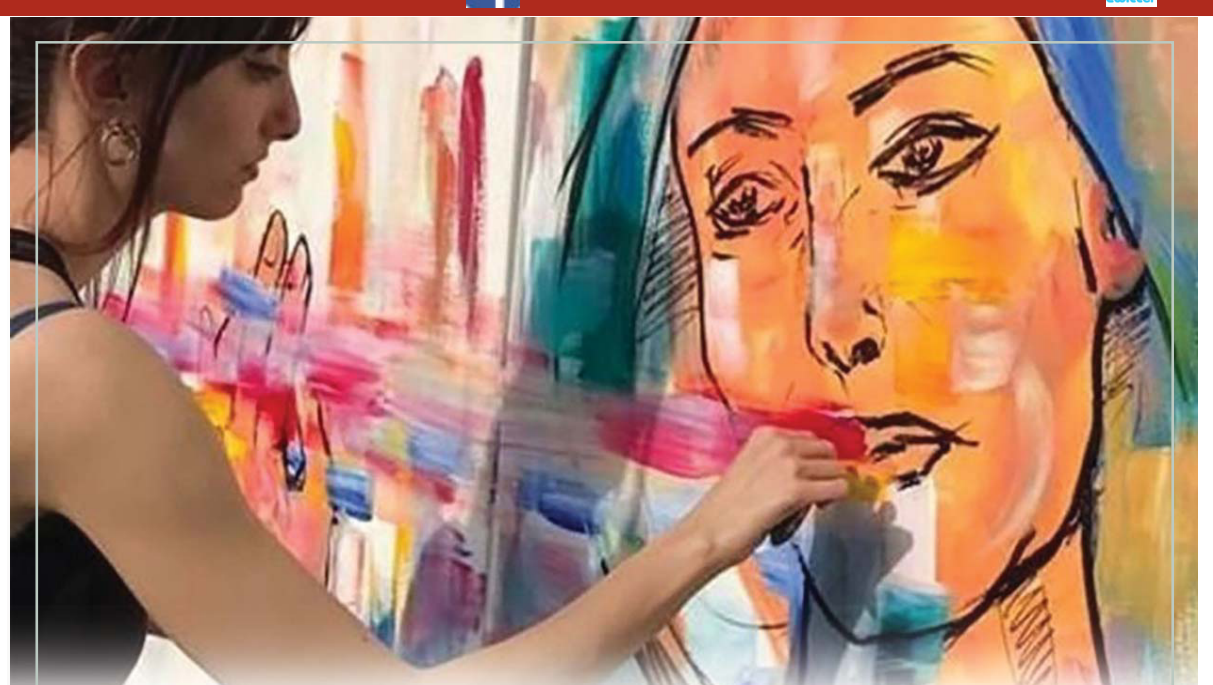

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला में स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत :, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा : यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) : इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए) : यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

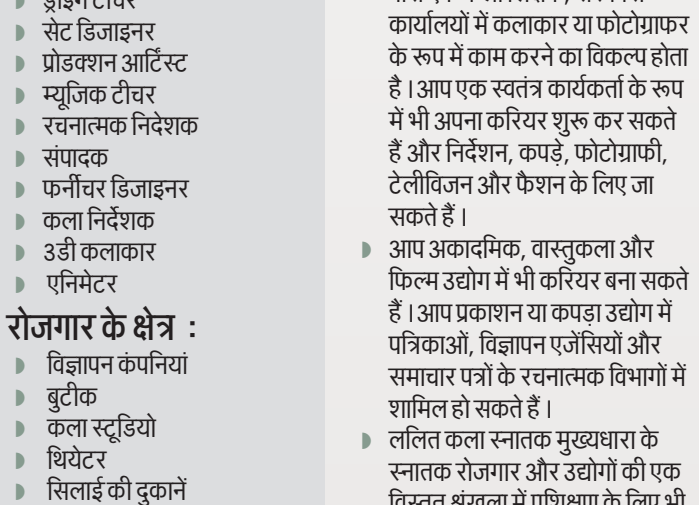

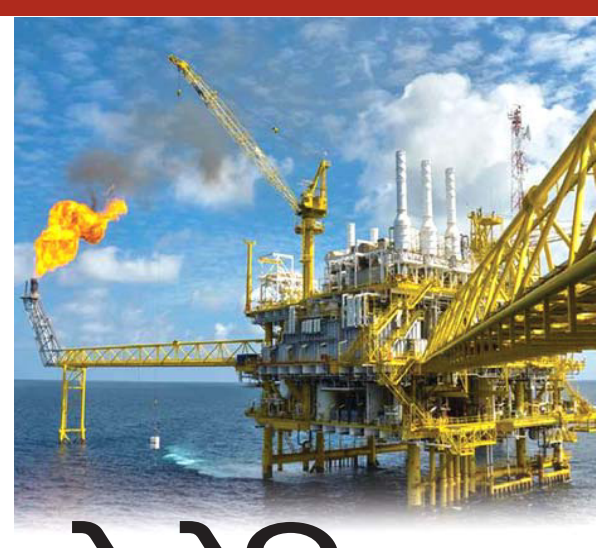

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रयागराज महाकुंभ में तंत्र-मंत्र करते नजर आए आईआईटीयन बाबा

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में काफी सुर्खियां बटोर चुके आईआईटी वाले बाबा का कोई एक ठिकाना नहीं है। जूना अखाड़े से निकालने के बाद वह हर बार एक नई जगह पाए जाते हैं, इस बार आईआईटी वाले बाबा उर्फ अभय सिंह संगम के करीब देर रात तंत्र मंत्र करते नजर आए। आईआईटीयन बाबा ने कहा कि मुझे अगर एनर्जी बनानी होती है, तब एक अगरबत्ती रहेगी साइड में, फिर एनर्जी के हिसाब से दीपक रखे जाएंगे। मैं प्रिजेंट मोमेंट के हिसाब से एग्जिक्यूट करता हूं। जो जीते हो वहां वर्तमान ही है, वर्तमान ही तब भूत बनता है बाद में। भविष्य के बारे में चिंता करना सही नहीं है लेकिन भविष्य के बारे में सोच सकते हो, प्लान कर सकते हो। चिंता जो शब्द है वह अलग है, चिंता का मतलब है कि टेंशन हो गय। हर प्रेजेंट मोमेंट को 100 प्रतिशत जीना है, और उसके हिसाब से ही आगे-आगे चीजें होती जाएगी। पुनर्जन्म पर कहा कि यह समझने के लिए आपको जन्म और मृत्य को समझना होगा। किसी चीज को पकड़ कर रखना। कोई मोमेंट जो अच्छा चल रहा है और मैं सोचूं यह ऐसा ही चलता जाए। असल में यूनिवर्स की टेंडेंसी है बदलाव की, लेकिन हम चाहते हैं कि सब स्थिर रहे। यह उम्र के साथ होता है, पैसे के साथ होता है। लोग भूल जाते हैं कि सबकी मौत निश्चित है। लगाव का मतलब ही मोह है, प्रेम में अंतर है, वह बीच में रखता है, वह स्थिर होने की कोशिश नहीं करता।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में ताजा बर्फबारी, 7 से 8 इंच तक बर्फ जमी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर, जेड-गली, फरकियान टॉप और सदना टॉप सहित ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण 7 से 8 इंच तक बर्फ जम गई है। इसके कारण अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से इन इलाकों की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को रोक दिया है। फिसलन भरी सड़कों और प्रतिकूल मौसम ने बुदनामल, कुमकडी, बंगस घाटी और पोथवारी जैसे अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित किया है, जहां बर्फबारी हुई है, जबकि मैदानी इलाकों में भारी बारिश हुई है। जिला प्रशासन ने ऊपरी इलाकों में रहने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे हालात में सुधार होने तक अनावश्यक बाहरी गतिविधियों से बचें। प्रशासन ने बताया कि मौसम के स्थिर होने के बाद यातायात बहाल किया जाएगा।

शुरुआती जांच में बनी संभावना : 17 मौतों की वजह हो सकती है कीटनाशक

जम्मू। राजौरी में बीते कई दिनों से हो रही रहस्यमई मौतों के राज से पर्दा उठता दिख रहा है। शुरुआती जांच के बाद यह सामने आया है कि एक के बाद एक हो रही मौतों के पीछे कीटनाशक एक वजह हो सकती है। बता दे कि मृतक राजौरी जिले के बधाल गांव के तीन परिवारों के थे। फिलहाल स्थानीय प्रशासन ने बावली को सील करने का निर्देश दिया है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक अंतर-मंत्रालयी टीम के गठन का आदेश दिया था और टीम को राजौरी से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित गांव का दौरा करने का आदेश दिया था टीम का नेतृत्व गृह मंत्रालय के अधिकारी कर रहे हैं और इसमें स्वास्थ्य, कृषि और अन्य विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। जानकारों ने बताया है कि गांव के एक बाओली में कीटनाशक के अवशेष पाए गए हैं। खबरों के मुताबिक जिन लोगों की मौत हुई, उन्होंने उसी इस बावली के पानी का सेवन किया था। गौरतलब है कि राजौरी के एक ही गांव में 17 लोगों की रहस्यमई परिस्थितियों में मौत हो गई है। इनमें 14 बच्चे भी शामिल हैं। बीते सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए थे। खबरों के मुताबिक ऐसा संदेह है कि पीड़ितों की मौत इसी बावली का पानी पीने की वजह से हुई है। सूत्रों ने यह भी कहा है कि इस मामले पर आगे की जांच जारी है। वहीं अधिकारियों ने यह भी बताया है कि अभी तक प्रदूषित पानी और मौतों के बीच कोई सीधा संबंध होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है, हालांकि जांच जारी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह मौतें रहस्यमई नहीं हैं और इसके पीछे कोई वायरस या बैक्टीरिया है।

सुप्रीम कोर्ट में चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ दायर की गई याचिका, जांच को प्रभावित करने का आरोप

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है जिसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनकी सरकार पर उनके और अन्य लोगों के खिलाफ कई आपराधिक मामलों की जांच को पटरी से उतारने के व्यवस्थित प्रयासों का आरोप लगाया गया है। याचिका में हितों के गंभीर टकराव और समझौतापूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण का हवाला देते हुए सात मामलों को आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। आंध्र प्रदेश के एक वकील द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान राज्य प्रशासन भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और आपराधिक हेराफेरी के आरोपों से जुड़े मामलों की जांच में बाधा डालने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है। इन मामलों में, जिनमें एपी फाइबरनेट लिमिटेड मामला, आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) मामला, इनर रिंग रोड मामला और दो असाइन्ड लैंड स्कैम मामले शामिल हैं, कहा जाता है कि इसमें मुख्यमंत्री और कई उच्च-रैंकिंग अधिकारी शामिल हैं।

भूटान की राजमाता शेरिंग यांगदोन ने परिवार के सदस्यों के साथ किया ताज का दीदार

आगरा। भूटान की राजमाता शेरिंग यांगदोन ने भूटान शाही परिवार के सदस्यों के साथ ताजमहल देखा और परिसर में करीब डेढ़ घंटे तक बिताया। राजमाता ने ताज महल के अंदर शाही परिवार के साथ फोटो खिंचवाईं। भूटानी शाही परिवार को टूरिस्ट गाइड शमशुद्दीन ने ताज महल दिखाया और इसके बारे में जानकारी दी। शमशुद्दीन ने बताया कि राजमाता 30 साल पहले भी ताजमहल देखने आई थीं और यह उनकी दूसरी यात्रा है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान यांगदोन ने एक बार फिर ताजमहल के इतिहास के बारे में जाना। शाही परिवार के सदस्यों ने स्मारक के बारे में, इसके निर्माण और नक्काशी सहित कई सवाल भी पूछे। ''वे ताजमहल की खूबसूरती को लेकर बहुत उत्सुक थे।

केरल ने केंद्र से यूजीसी नियमों को खत्म करने का किया आग्रह, विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

पटना (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आज राज्य विधान सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र से 2025 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों को वापस लेने और राज्य सरकारों और अकादमिक विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा के बाद नए मानदंड पेश करने का आग्रह किया गया। यह प्रस्ताव विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। अपने भाषण में, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देश भर के विश्वविद्यालय अपने संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुरूप काम करते हैं, और उचित परामर्श के बिना केंद्रीय नियमों को लागू करने का कोई भी कदम भारत के संघीय ढांचे को कमजोर कर देगा।

सीएम ने कहा कि विभिन्न राज्यों में विश्वविद्यालय संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुसार कार्य करते हैं क्योंकि उनके पास विश्वविद्यालयों की स्थापना और पर्यवेक्षण करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए समन्वय और मानक तय करने की शक्ति केवल केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने कहा कि इन तथ्यों को नजरअंदाज करके और सभी हितधारकों के साथ चर्चा किए बिना, केंद्र ने मसौदा दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें कुलपतियों की नियुक्ति सहित राज्य सरकारों की राय को पूरी तरह से बाहर रखा गया है, और इसलिए, वे 'संघीय प्रणाली और लोकतंत्र के साथ असंगत हैं।'

सीएम ने दावा किया कि मानदंडों में निजी क्षेत्र के व्यक्तियों को भी कुलपति के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देने का प्रावधान, जबकि अकादमिक विशेषज्ञों पर विचार नहीं किया गया, 'उच्च शिक्षा क्षेत्र का व्यावसायीकरण करने का एक कदम था। उन्होंने तर्क दिया कि 2025 के यूजीसी मानदंडों के मसौदे को केवल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट करने और इसे 'धार्मिक और सांप्रदायिक विचारों को फैलाने वालों के नियंत्रण' में लाने के कदमों के हिस्से के रूप में देखा जा सकता है।

सशस्त्र सेनाओं के लिए दुखद है ध्रुव हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने पर लगी रोक

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने रक्षा मंत्रालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव के संपूर्ण बेड़े के उड़ान भरने पर लगी हालिया रोक सशस्त्र सेनाओं के लिए दुखद है। लेकिन हमें उम्मीद है कि यह मामला जल्द हल हो जाएगा। इसी जनवरी के महीने में गुजरात के पोरबंदर में तटरक्षकबल के एक एएलएच के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लगभग 15 दिनों से ध्रुव हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने पर रोक लगी हुई है। रक्षा सचिव गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लेने वाले मुख्य आकर्षक बिंदुओं के बारे में सम्मेलन में मीडिया को जानकारी दे रहे थे। इस दौरान ध्रुव हेलिकॉप्टर के परेड से जुड़े फ्लाई पास्ट में भाग लेने को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में उन्होंने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उक्त हादसे की वजह से ध्रुव हेलिकॉप्टर इस बार गणतंत्र दिवस परेड में भाग नहीं ले सकेगा। फिलहाल इसकी निर्माता कंपनी एचएएल द्वारा तीनों सेनाओं (सेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षकबल) में शामिल कुल करीब 330 हेलिकॉप्टरों की सुरक्षा जांच की जा रही है। उधर, सेना के सूत्रों ने कहा कि परिस्थिति चुनौतीपूर्ण है। लेकिन ध्रुव की अनुपस्थिति से सीधे तौर पर लॉजिस्टिक, सैन्य टुकड़ियों की आवाजाही और रणनीतिक अभियानों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हमारे पास बाकी हेलिकॉप्टर हैं। लेकिन वर्तमान में ध्रुव का ना होना रणनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण तो है। नौसेना और तटरक्षकबल अपने समुद्री अभियानों में दिक्कत का सामना कर रहे हैं। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब ध्रुव हेलिकॉप्टर के समूचे बेड़े के उड़ान भरने पर रोक लगाई गई है। पूर्व में 2023 में इस तरह की समस्या आ चुकी है।

पीड़िता मृतक डॉक्टर के पिता ने... ममता बनर्जी से कुछ नहीं करने की अपील की

कोलकाता (एजेंसी)। आरजी कर बलात्कार और हत्याकांड के आरोपी संजय रॉय को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस फैसले पर पीड़िता डॉक्टर का परिवार नाराज हैं। हालांकि, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कुछ नहीं करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने सबूतों के साथ छेड़छाड़ के आरोप भी ममता सरकार पर लगाए हैं। बीते साल 9 अगस्त को 32 साल की ट्रेनी डॉक्टर की रेप कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता के पिता ने कहा, हमें आदेश की कॉपी मिलने दीजिए, हम आदेश की कापी मिलने के बाद तय करने वाले हैं कि इस मामले में क्या करना चाहते हैं। उन्हें (सीएम ममता बनर्जी) को जल्दबाजी में कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। आज तक मुख्यमंत्री ने जो किया है, इसके बाद उन्हें आगे कुछ नहीं करना चाहिए। यह कहते हुए कि उम्रकैद इसलिए दी गई, क्योंकि सीबीआई उचित सबूत नहीं दे सकी, पीड़िता के पिता ने कहा, वे बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन उन्होंने सिर्फ सबूतों से छेड़छाड़ की है...। तत्कालीन सीपी और अन्य लोगों ने सबूतों से छेड़छाड़ की। क्या ये सब उन्हें शुरुआत से नजर नहीं आया। मृतका के परिजन ने कहा कि वे दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि मामले की जांच अधूरे मन से की गई और अपराध में शामिल कई अन्य अपराधियों को बचाया गया। उन्होंने कहा कि वे न्याय के लिए ऊपरी अदालत में जाएंगे। मृत महिला चिकित्सक की मां ने फैसले आने के बाद कहा, हम स्तब्ध हैं। यह कैसे यह दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में नहीं है। ड्यूटी पर तैनात एक चिकित्सक को बलात्कार के बाद मार डाला गया। हम निराश हैं। इस अपराध के पीछे बड़ा षड़यंत्र था।

वहीं सीएम बनर्जी ने निचली अदालत के फैसले पर गहरी नाराजगी जातकर हैरानी जाहिर की हैद्य। उन्होंने अदालत का फैसला आने के बाद कहा कि यह मामला दुर्लभ से दुर्लभतम' मामलों में से एक था और अदालत का यह निर्णय इस दृष्टिकोण से बिल्कुल मेल नहीं खाता कि आरोपी को कड़ी सजा दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला बेहद निराशाजनक था और इस मामले को 'दुर्लभतम' मामलों में गिना जाना चाहिए था, जिसमें दोषी को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

सीमावर्ती क्षेत्रों में जाने से बचें लोग, ममता बनर्जी बोलीं- इसकी सुरक्षा बीएसएफ की जिम्मेदारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करना बीएसएफ की जिम्मेदारी है और उन्होंने मालदा जिले के स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई समस्या हो तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 18 जनवरी को मालदा जिले में बीएसएफ चौकी के पास भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव उत्पन्न होने के बाद आई है। दोनों देशों के किसानों के बीच तकरार थोड़ी देर के लिए झड़प में भी बदल गई।

मालदा जिले में एक बैठक में बोलते हुए उन्होंने स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई समस्या हो तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों के पास न जाएं। इस जिले की सीमा बांग्लादेश से लगती है। उन्होंने कहा, 'सीमा की रक्षा करना बीएसएफ का कर्तव्य है। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि

अगर उन्हें कोई समस्या दिखे तो वे सीमावर्ती इलाकों में न जाएं।' बनर्जी ने जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों से उन लोगों पर सतर्क नजर रखने का भी आग्रह किया जो भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं या गलत इरादों के साथ होटल के कमरों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते बेहतर होंगे।'

बनर्जी ने जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों से उन लोगों पर नजर रखने का भी आग्रह किया, जो भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं या गलत इरादे से होटल के कमरों में ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते बेहतर होंगे।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में राज्य सचिवालय में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान सीमा सुरक्षा बल पर बांग्लादेश से घुसपैठ को अनुमति देने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य को अस्थिर करने के लिए केंद्र सरकार के 'ब्लूप्रिंट' के हिस्से के रूप में ऐसा किया जा रहा है। केंद्रीय अर्धसैनिक बल ने आरोप से इनकार करते हुए बताया था कि वह देश की सीमा की पूरी लगन से रक्षा करता है।

महाकुंभ में योगी कैबिनेट की ऐतिहासिक बैठक आज, संगम में डुबकी लगाएंगे मुख्यमंत्री और मंत्री

प्रयागराज, प्रयागराज महाकुंभ में बुधवार, 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपनी कैबिनेट की बैठक कर एक इतिहास रचने जैसा कार्य करने जा रही है। यह बैठक त्रिवेणी संगम के निकट अरैल स्थित त्रिवेणी संकुल में आयोजित की गई है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कुल 54 मंत्री शामिल होंगे। इस कैबिनेट में हिस्सा लेने वाले मुख्यमंत्री समेत अन्य मंत्री संगम में डुबकी लगाकर पुण्य हासिल करेंगे। योगी सरकार की इस कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा के साथ ही मंजूरी दी जाने की उम्मीद है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रिमंडल के साथ संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगाएंगे। इस दौरान विधिवत पूजन-अर्चन भी किया जाएगा। 2019 के कुंभ मेले में भी योगी सरकार ने इसी प्रकार संगम में स्नान किया था, जो परंपरा का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसलिए बैठक स्थल को मेला प्राधिकरण सभागार से बदलकर अरैल स्थित त्रिवेणी संकुल में स्थानांतरित किया गया है। मंत्रियों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर मेला प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए हैं। बैठक के बाद मंत्रीगण वीआईपी घाट से मोटर बोट के माध्यम से संगम पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों सहित सभी 54 मंत्री संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। इस आयोजन को आध्यात्मिकता और सरकार की एकजुटता का प्रतीक माना जा रहा है।

बीजेपी की लाइन से अलग जा रहे अजित पवार! धर्मनिरपेक्षता की राजनीति को लेकर कही बड़ी बात

जम्मू (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को विभाजनकारी रणनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ चेतावनी देते हुए धर्मनिरपेक्षता और प्रगतिशील राजनीति के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। जालना में राकांपा के जिला कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, पवार ने महाराष्ट्र में एकता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर जोर दिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से अपनी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने का आह्वान किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, पवार ने कहा कि महाराष्ट्र हमेशा प्रगतिशील विचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। एनसीपी दृढ़ता से एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खड़ी है। हम किसी को भी नफरत फैलाने या विभाजनकारी राजनीति में शामिल होने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से नए सदस्यों को शामिल करते समय सतर्क रहने का आग्रह किया और उन्हें संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को शामिल करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों में पारदर्शिता

सुनिश्चित करें और भ्रष्टाचार या विभाजन को हमारी पार्टी में न आने दें।

पवार ने राज्य सरकार की पहल लड़की बहिन योजना को भी संबोधित किया, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। टीओआई के अनुसार, उन्होंने खुलासा किया कि राज्य सरकार ने एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए इस योजना के लिए महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग को 3,700 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। हालाँकि, डिप्टी सीएम ने 2.5 लाख रुपये और उससे अधिक की वार्षिक आय अर्जित करने वाले लाभार्थियों से स्वेच्छा से कार्यक्रम से बाहर निकलने का आह्वान किया, और उनसे वास्तव में जरूरतमंद लोगों के लिए रास्ता बनाने का आग्रह किया।

आप केवल मुसलमानों की शादियां और तलाक रोक रहे, उत्तराखंड में यूसीसी को लेकर बोले असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी में है। इसकी को लेकर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है। ओवैसी ने कहा कि जब आप हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम को अपवाद दे रहे हैं तो इसे यूसीसी नहीं कहा जा सकता है और यह आदिवासियों पर भी लागू नहीं होगा। ये कैसा यूनिफॉम सिविल कोड? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप केवल मुसलमानों की शादियाँ और तलाक रोक रहे हैं।

ओवैसी ने आगे कहा कि आप यूनिफॉम सिविल कोड की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई हिंदू धर्म से किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि वे वक्फ को बर्बाद करने और उसकी संपत्तियों को लूटने के लिए यह बिल ला रहे हैं।' जैसे CAA पर विरोध हुआ था, वैसे ही अगर वक्फ संशोधन

बिल पास हुआ तो भी विरोध होगा। इससे पहले उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी।

अधिकारियों के अनुसार, यह विकास विधायी विभाग द्वारा मैनुअल की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद हुआ। मंजूरी के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2022 के चुनावों से पहले किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। धामी ने कहा कि हमने 2022 में उत्तराखंड की जनता से वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही हम यूसीसी बिल लाएंगे। हम इसे ले आये। मसौदा समिति ने इसका मसौदा तैयार किया, यह पारित हुआ, राष्ट्रपति ने इसे मंजूरी दी और यह एक अधिनियम बन गया। ट्रेनिंग की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हर चीज का विश्लेषण करने के बाद हम जल्द ही तारीखों की घोषणा करेंगे। यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भाजपा सरकार ने पिछले साल 6 फरवरी को उत्तराखंड विधानसभा के एक विशेष सत्र के दौरान यूसीसी विधेयक पेश किया था और इसे एक दिन बाद 7 फरवरी को आरामदायक बहुमत के साथ पारित किया गया था। उत्तराखंड विधानसभा के बाद, फरवरी में यूसीसी विधेयक पारित किया गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 मार्च को इस पर हस्ताक्षर किए, जिससे उत्तराखंड के लिए यूसीसी अधिनियमित करने वाला भारत का पहला राज्य बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया।

क्या एआई के आने से दुनिया में गहराएगा बेरोजगारी संकट... जानकारों की राय जाने लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने हाल ही में भारत का दौरा किया और देश में अपनी कंपनी के आगामी निवेश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। नडेला ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट अगले दो वर्षों में भारत में 3 अरब डॉलर का निवेश करेगा, जो खास तौर पर क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में किया जाएगा। उनका कहना था कि इस निवेश से एआई का विकास और उपयोग तेजी से बढ़ेगा और भारत के तकनीकी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह वादा भी किया कि अगले पांच वर्षों में माइक्रोसॉफ्ट एक करोड़ भारतीयों को एआई की ट्रेनिंग देने के लिए तैयार है, जिससे एक उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी कार्यबल की सृजन की योजना है।

भारत में एसटीईएम (विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग, गणित) स्नातकों की बड़ी संख्या को देखते हुए, नडेला ने भारत को एक प्रमुख वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में देखा है। पश्चिमी देशों की जनसंख्या में कमी आ रही है, जिससे इन देशों को एआई और तकनीकी क्षेत्र में कुशल स्नातकों की जरूरत है। नडेला ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि भारत में दुनिया के सबसे अधिक अंग्रेजी बोलने वाले एसटीईएम स्नातक तैयार होते हैं, और यह भारत को पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा प्रतिभा स्रोत बना रहा है। पहले जहां भारतीय ज्यादा तकनीकी रूप से कम योग्यता वाले कार्यों में लगे थे, अब बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में ग्लोबल कैपबिलिटी सेंटर्स (जीसीसीएस) खोल रही हैं, जिससे भारत में उच्च स्तर के तकनीकी कार्यों का अवसर बढ़ा है।

हालांकि एआई के प्रसार को लेकर कुछ आशंकाएं भी हैं। कुछ लोगों को डर है कि एआई लाखों नौकरियों को खत्म कर सकता है, और मशीनें इंसानों से ज्यादा बुद्धिमान हो सकती हैं। परंतु कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हर नई तकनीक के साथ बेरोजगारी का डर होता है, जो अंततः गलत साबित होता है। जैसे पहले मशीनीकरण, व्यक्तिगत कंप्यूटर और इंटरनेट ने नई नौकरियों की सृजन की, वैसे ही एआई भी रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है। हालांकि यह भी सच है कि कुछ क्षेत्रों में नौकरियां समाप्त हो सकती हैं, लेकिन कुल मिलाकर नए अवसर उत्पन्न हो सकते हैं।

नडेला ने इस बात पर जोर दिया कि एआई के कारण उत्पन्न होने वाली नौकरियों की कमी से निपटने के लिए सरकारों को उच्च कॉर्पोरेट मुनाफे और तकनीकी कर्मचारियों की उच्च आय पर टैक्स लगाकर बेरोजगारी मुआवजे की योजना बनानी होगी। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि रीट्रेनिंग और तकनीकी नवाचार का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एआई के विकास से समृद्धि में सुधार होगा, लेकिन इसके साथ आने वाली चुनौतियों का सही तरीके से सामना करना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका में दो बसों के बीच टक्कर, अस्पताल में भर्ती हुए 35 से अधिक लोग

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत में रविवार को दो बसों के बीच जोरदार टक्कर हुई है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस हादसे के बाद 35 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने पुलिस के हवाले से बताया कि घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका मतारा जिले के मुख्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हादसे के समय बारिश हो रही थी। पुलिस ने हाल ही में बताया कि साल 2020 और 2024 के बीच यातायात दुर्घटनाओं में देश में 12,140 लोगों की जान चली गई है। बसों से जुड़ी दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर श्रीलंका के अधिकारी उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं, जो यात्री बसों में यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। इसके अलावा श्रीलंकाई सरकार ने सड़क हादसों को रोकने और अपराध तथा नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान चलाने के प्रयासों को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त 10,000 पुलिस अधिकारियों की भर्ती को अधिकृत किया है। पुलिस ने हाल ही में बताया था कि साल 2020 से 2024 के बीच सड़क हादसों में 12,140 लोगों की जान चली गई है।

दो साल बाद जॉर्जिया के पॉल्ट्री फॉर्म में बर्ड फ्लू ने दी दस्तक, राज्य में अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। 2022 के बाद एक बार फिर अमेरिका के जॉर्जिया में बर्ड फ्लू फैलने की खबर सामने आ रही है। खबर है कि जॉर्जिया के एक बड़े मुर्गी फार्म में बर्ड फ्लू पाया गया है। राज्य के कृषि विभाग ने मामले के बारे में बताया कि यह बीमारी एलबर्ट काउंटी में एक मुर्गी पोल्ट्री फार्म पर पाई गई है जो अटलांटा से लगभग 165 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित है। बता दें कि जॉर्जिया अमेरिका का सबसे बड़ा चिकन उत्पादन राज्य है। मामले की पुष्टि के बाद राज्य में पोल्ट्री से संबंधित सभी गतिविधियां जैसे कि पोल्ट्री प्रदर्शन, शो, और बिक्री को रोक दिया गया है। अब तक, बर्ड फ्लू के मामले छोटे खेतों तक ही सीमित थे, लेकिन अब यह बड़े पोल्ट्री फार्मों में भी फैल गया है। अधिकारी ने बताया कि बर्ड फ्लू का पता तब चला जब वहां करीब 45,000 बेचने के लिए मुर्गे पाले गए थे। हालांकि प्रभावित क्षेत्र के आस-पास के सभी पोल्ट्री फार्मों को क्वारंटाइन में रखा गया है और इन फार्मों पर टेस्टिंग की जा रही है। साथ ही कृषि विभाग ने यह भी बताया कि अब प्रभावित जगह को साफ किया जा रहा है और संक्रमित पक्षियों को हटा दिया जा रहा है। गौरतलब है कि यह बीमारी पिछले दो सालों में दुनियाभर में लाखों पक्षियों की मौत का कारण बन चुकी है। हाल ही में, यू.एस. कृषि विभाग ने जानकारी दी कि पिछले महीने 84 पोल्ट्री फार्मों में यह वायरस पाया गया था, जिसमें लाखों पक्षी संक्रमित हुए थे। हालांकि, बर्ड फ्लू से इंसानों में संक्रमण के मामले बहुत कम होते हैं, और हाल ही में एक व्यक्ति की बर्ड फ्लू से मौत की पुष्टि हुई है।

भारत-अमेरिका संबंध केवल लेन-देन वाले नहीं रहने चाहिए : रिचर्ड वर्मा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग के शीर्ष अधिकारी रिचर्ड वर्मा ने अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंध साझा मूल्यों पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के संबंध केवल लेन-देन पर आधारित नहीं होने चाहिए। विदेश विभाग में प्रबंधन और संसाधन मामलों के उप विदेश मंत्री वर्मा ने कहा कि वह अमेरिका और भारत के बीच मतभेदों को लेकर चिंतित नहीं हैं, क्योंकि वे संबंधों को और अधिक गतिशील बनाते हैं। पद छोड़ने की तैयारी कर रहे वर्मा ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार में कहा, मैं नहीं चाहता कि यह ऐसा लेन-देन वाला संबंध बन जाए, जिसमें हम केवल चीजें बेचना चाहते हों या आप चीजें खरीदना चाहते हैं। रिचर्ड वर्मा पहले भारत में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं। बाइडन का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही रिचर्ड वर्मा का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा। वर्मा बीते ढाई दशकों से भारत-अमेरिका संबंधों में एक अहम योगदानकर्ता रहे हैं। वर्मा ने कहा कि दोनों देश मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं। मैं देखता हूं कि हम किस तरह से तकनीक और खुफिया जानकारी साझा करते हैं। मैं देखता हूं कि हम किस तरह से कुछ सबसे उन्नत प्रणालियों का संयुक्त उत्पादन और विकास करते हैं और हम किस तरह से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के लिए तैयार हैं।

बाइडन ने अश्वेत राष्ट्रवादी मार्कस गार्वे और 4 अन्य को क्षमा किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को अश्वेत राष्ट्रवादी मार्कस गार्वे को मरणोपरांत क्षमा कर दिया। गार्वे को 1920 के दशक में मेल धोखाधड़ी के लिए दोषी ठहराया गया था और वे मैल्कम एक्स जैसे नागरिक अधिकार नेताओं पर प्रभाव डालने के लिए जाने जाते थे। इसके अलावा, बाइडन ने वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स के स्पीकर डॉन स्कॉट, अप्रवासी अधिकार कार्यकर्ता रवि रागबीर, केम्बा स्मिथ प्राडिया, बंदूक हिंसा रोकथाम अधिवक्ता डेरिल चैंबर्स को भी क्षमादान दिया।

डोनाल्ड ट्रंप के भाषण ने 11 देशों में मचाई खलबली, भारत-चीन भी आ गए लपेटे में

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद की कुर्सी पर बैठते ही डोनाल्ड ट्रंप का एक्शन शुरू हो गया है। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को खुलेआम धमकी दे दी है। उन्होंने कहा कि स्पेन समेत ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। ब्रिक्स में दस देश शामिल हैं। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात। स्पेन ब्रिक्स का हिस्सा नहीं है। बावजूद वह भी ट्रंप के रडार में है। हालांकि, दिसंबर में ही डोनाल्ड ट्रंप ने इसका इशारा कर दिया था कि वह ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। हालांकि, उन्होंने इसके लिए एक शर्त रखी थी। सोमवार को जब डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ली, तब उन्होंने अपनी पुरानी धमकी को दोहरा दिया। उन्होंने साफ-साफ शब्दों में ब्रिक्स देशों को धमकी दे दी।

भारत और अमेरिका के बीच कारोबार काफी अधिक होता है। आंकड़ों की मानें तो अभी भारत और अमेरिका के बीच सबसे अधिक व्यापार हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार 2023-24 में 118।3 अरब डॉलर रहा। वहीं साल 2021-22 और 2022-23 के दौरान भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार अमेरिका ही था। मगर वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साथी बदल गया। अमेरिका की जगह चीन ने ले ली। चीन 118.4 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। हालांकि, अब भी भारत का चीन के बाद अमेरिका ही सबसे बड़ा कारोबारी साथी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिका विरोधी नीतियां लाते हैं तो उन्हें अंजाम भुगतने को तैयार रहना होगा। वे फिर कभी खुश नहीं रह पाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने दिसंबर महीने में भी कहा था कि अगर ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश में नई करेंसी लाई तो अमेरिका उन पर 100 फीसदी का टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने कहा था, अगर ब्रिक्स देश ब्रिक्स करेंसी बनाते हैं या डॉलर के मुकाबले दूसरी करेंसी का समर्थन करते हैं तो 100 फीसदी टैरिफ देना होगा और अमेरिका में अपने सामान को बेचने से अलविदा कहना होगा। कोई चांस नहीं कि ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले। डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी का मतलब है कि भारत भी इसके लपेटे में आएगा। भारत ब्रिक्स का अहम सदस्य है। ट्रंप का बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि कुछ समय पहले यह खबर आई थी कि ब्रिक्स देश अपनी नई करेंसी पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, उस पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं है। अगर ट्रंप की धमकी सही साबित होती है तो ब्रिक्स देशों के लिए बड़ी मुसीबत होगी। ऐसे में भारत के लिए भी अमेरिका से आयात-निर्यात करना बहुत कठिन हो जाएगा।

पड़ोसी देशों के साथ पाकिस्तान का व्यापार घाटा 43.22 प्रतिशत बढ़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान का व्यापार घाटा पड़ोसी देशों के साथ 43.22 प्रतिशत बढ़ गया है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (जुलाई 2024 से जून 2025) के दौरान यह घाटा बढ़ा है। एसबीपी द्वारा रविवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस बढ़े हुए व्यापार घाटे का मुख्य कारण चीन, भारत और बांग्लादेश से आयात में वृद्धि है। पाकिस्तान के निर्यात में भी वृद्धि देखी गई है, खासकर अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को किए गए निर्यात में। इसने निर्यात में गिरावट की कुछ हद तक भरपाई की है। आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान ने जुलाई से दिसंबर 2024 के बीच अपने निर्यात को 7.85 प्रतिशत बढ़ाकर 2.40 बिलियन डॉलर कर लिया है। पिछले साल इसी अवधि में निर्यात का मूल्य 2.23 बिलियन डॉलर था। पाकिस्तान का निर्यात चीन, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, भारत, ईरान, नेपाल, भूटान और मालदीव सहित नौ देशों को बढ़ा है। हालांकि, पाकिस्तान का आयात भी बढ़ा है। विशेष रूप से, क्षेत्रीय देशों से आयात में 29.97 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पाकिस्तान का आयात 7.73 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 5.95 बिलियन डॉलर था। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था विकासशील मानी जाती है और यह जीडीपी (नाममात्र) के मामले में 46वीं सबसे बड़ी है। 2023 तक पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 241.5 मिलियन थी और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार पाकिस्तान प्रति व्यक्ति आय के मामले में जीडीपी (नाममात्र) के हिसाब से 161वीं और जीडीपी (क्रय शक्ति समता) के हिसाब से 138वीं स्थिति में है। पाकिस्तान की शुरुआती आर्थिक स्थिति निजी उद्योगों पर निर्भर थी, लेकिन 1970 के दशक में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण किया गया। 1990 के दशक में फिर से निजीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। वर्तमान में पाकिस्तान में आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें सरकारी निगमों का निजीकरण शामिल है, ताकि विदेशी निवेश आकर्षित किया जा सके और बजट घाटे को कम किया जा सके। हालांकि, राजनीतिक अस्थिरता, शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों और भारी विदेशी ऋण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कनाडा में 2 पुलिस अधिकारियों पर भारतीय दंपति और उनके नन्हे पोते की हत्या का आरोप

टोरंटो, एजेंसी। दो कनाडाई पुलिस अधिकारियों पर पिछले साल हुई एक घातक दुर्घटना से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया है, जिसमें एक भारतीय दंपति और उनके नन्हे पोते की मौत हो गई। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (स्डू) ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसे यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि डर्हम रीजनल पुलिस सेवा के अधिकारी, सर्जेंट रिचर्ड फ्लिन और कांस्टेबल ब्रैंडन हैमिल्टन, इस दुर्घटना से जुड़े आपराधिक अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं। इन अधिकारियों पर हत्या या शारीरिक नुकसान के लिए आपराधिक लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। इस हादसे में 60 वर्षीय मणिवन्नन श्रीनिवासपिल्लई, उनकी 55 वर्षीय पत्नी महालक्ष्मी अनंतकृष्णन और उनके तीन महीने के पोते की मौत हो गई। दुर्घटना में 21 वर्षीय गगनदीप सिंह भी मारे गए, जो पुलिस द्वारा पीछा किए गए वैन के ड्राइवर थे। गगनदीप सिंह एक अंतरराष्ट्रीय छात्र थे और उस समय जमानत पर बाहर थे और उन्हें ड्राइविंग पर प्रतिबंध था। घटना की शुरुआत डर्हम रीजनल पुलिस को एक शराब की दुकान में हुई लूट के बारे में जानकारी मिलने से हुई। पुलिस ने उस वैन का पीछा करना शुरू किया, जो लूट में शामिल थी। फिर वह वैन एक राजमार्ग पर गलत दिशा में चलने लगी।

471 दिन बाद हमास के कब्जे से आजाद, इस्राइली परिजनों से भावुक मुलाकात

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल-हमास के बीच रविवार को तीन घंटे देरी से युद्ध विराम समझौता शुरू हुआ। इस दौरान हमास ने 471 दिनों के बाद तीन महिला बंधक रोमी गोनेन, एमिली दामरी और डोरोन स्टीनब्रेचर को रिहा कर दिया। तीनों महिलाएं अपने घर पर पहुंच गई, जिसकी तस्वीर इस्राइल सुरक्षा बल (आईडीएफ) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की।

घर वालों के छलके आंसू : हमास की ओर से 471 दिनों तक बंधक बनाए रखी गईं तीन महिलाएं जब छूटकर अपने घर पहुंचीं तो घरवालों के आंसू छलक पड़े। रिहा होने वालीं तीन इस्राइली महिलाओं में एक बेटी भी है, जिसे नृत्य करने में सबसे ज्यादा खुशी होती है। 24 साल की रोमी गोनेन की यही खुशी 7 अक्तूबर, 2023 को गम और खौफ में बदल गई। वह इस खौफनाक दिन हमास के हमले के दौरान नोवा उत्सव से भागने के दौरान बंधक बना ली गई थीं।

इस्राइल-हमास समझौते के बाद रोमी गोनेन के साथ ही ब्रिटिश-इस्राइली दोहरी राष्ट्रीयता रखने वाली 28 वर्षीय एमिली दामारी और 31 साल की पशु चिकित्सा नर्स डोरोन स्टीनब्रेच भी रिहा हुई हैं। एमिली दामारी को हमास ने किबुत्ज केफर अजा से बंधक बनाया था। रविवार को जब उनकी रिहाई हुई,तो परिवार के एक करीबी सूत्र ने कहा कि उनके लिए 471 दिन बहुत कष्टदायक रहे, पर उससे भी अधिक उनकी रिहाई के 24 घंटे का इंतजार कष्टदायक रहा। घर पहुंचने पर एमिली को गले लगाकर उनकी मां मैंडी रो पड़ीं। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि बेटी घर आ गई है।

खिलखिलाती मुस्कानों वाली रोमी से गुलजार हुआ घर : रोमी इस्राइल के उत्तर में केफर वेराडिम में अपने घर से नोवा उत्सव में शामिल होने गई थीं। उसके परिवार ने कहा कि वह वहां वह करने गई थी जो उसे पसंद था, नृत्य करना। उसने 12 साल नृत्य सीखा और कोरियोग्राफर बन गई। हमास के हमलों के दौरान सायरन बजने पर रोमी ने अपने परिवार को फोन किया था। उनकी मां ने बेटी के साथ उस आखिरी कॉल में गोलियों की आवाज के साथ ही अरबी में चिल्लाने की आवाजें सुनी थीं। बीते नवंबर में पोस्ट एक वीडियो में उसे खिलखिलाती मुस्कानों, चमकदार रोशनी व सबसे अच्छी दोस्त लड़की कहा गया था।

नर्स डोरोन की बहन को मिली उनकी सनशाइन : हमास के हमले मंडोरोन स्टीनब्रेचर को किबुत्ज केफर अजा में उनके अपार्टमेंट से अगवा किया गया था। थिएटर व फिल्म की पढ़ाई के दौरान डोरोन का जानवरों के लिए प्यार बढ़ा। इस वजह से वह पशु चिकित्सक नर्स बन गईं। बीते साल मई में उनकी बहन यामित ने उन्हें एक एहसासों से भरा खत लिखा। इसमें उन्होंने डोरोन को अपनी सनशाइन कहा था। अब जब डोरोन घर लौटीं तो उन्हें लगा जैसे सच में घर में नई रोशनी आई है।

एमिली के घर पहुंचने पर रो पड़ी मां : 28 वर्षिय एमिली दामरी हमास ने किबुत्ज केफर अजा से बंधक बनाया था। रविवार को जब उनकी रिहाई हुई,तो परिवार के एक करीबी सूत्र ने कहा कि उनके लिए 471 दिन बहुत कष्टदायक रहे, पर उससे भी अधिक उनकी रिहाई के 24 घंटे का इंतजार कष्टदायक रहा। घर पहुंचने पर एमिली को गले लगाकर उनकी मां मैंडी रो पड़ीं। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि बेटी घर आ गई है। बता दें कि 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के साथ शुरू इस्राइल-हमास युद्ध में हजारों लोगों की जान चली गई। वहीं लाखों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इस संघर्ष के दौरान मिस्र, कतर, अमेरिका जैसे कई देशों ने दोनों देशों के बीच स्थिति समान्य करने का प्रयास किया। आखिरकार इस्राइल ने 15 जनवरी को युद्ध विराम समझौता और बंधको की रिहाई पर सहमति जताई। गौरतलब है कि इससे पहले, नवंबर 2023 में एक सप्ताह के युद्ध विराम के दौरान भी 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा किया गया था। इसके अलावा, इस्राइल रक्षा बल के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगरी ने बताया कि यह तीन महिलाएं हमास की कैद से 471 दिनों के बाद वापस लौटी हैं और उन्हें और उनके परिवार को बधाई दी गई।

धरती के बढ़ते तापमान का नतीजा है लॉस एंजिल्स की आग

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के महानगर लॉस एंजिल्स में लगी भयानक आग इस बात की चेतावनी है कि जलवायु परिवर्तन के चलते धरती का जिस तेजी से तापमान बढ़ रहा है, उसने दुनिया को नष्ट होने के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है. आग ने हॉलीवुड और फैशन के लिए मशहूर शहर के बड़े हिस्से को चपेट में लेकर 10,000 से ज्यादा बहुमंजिले भवन राख कर दिए हैं. बचाव के लाख प्रयासों के बावजूद अभी तक 27 लोगों की जान जा चुकी है. इस महात्रासदी के पीछे वे ग्रीनहाउस गैसें रही हैं, जो धरती का तापमान बढ़ाकर पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतर बदलाव ला रही हैं. धरती के इस बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के घातक संकेतों को संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पहले ही जता दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के कई देश पिछले कुछ सालों से भीषण गर्मी, सूखा, आग, तूफान, बर्फबारी, बाढ़ और बादल फटने व बिजली गिरने की घटनाओं से दो-चार हो रहे हैं. हजारों लोगों की मौत हो चुकी है और खरबों की संपत्ति का नुकसान हुआ है. 60 देशों के 200 वैज्ञानिकों ने यह रिपोर्ट तैयार की है. इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगले 20 साल में धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा. वैज्ञानिकों ने पहले अंदाज लगाया था कि यह तापमान 2050 तक बढ़ेगा, लेकिन अब यह दस साल पहले, अर्थात 2040 तक ही बढ़ जाएगा. तेज गर्म हवाओं के चलते 50 साल में बढ़ने वाला तापमान अब हर दस साल में बढ़ रहा है. संयुक्त राष्ट्र के अंतर सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल की इस रिपोर्ट को दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी रिपोर्ट कहा गया है. इस रिपोर्ट की पुष्टि यूरोपियन स्पेस एजेंसी कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने 10 जनवरी 2025 को की है. रिपोर्ट के अनुसार 2024 ऐसा पहला साल है, जब दुनिया का तापमान पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया है. इस रिपोर्ट को जलते लॉस एंजिल्स के परिप्रेक्ष्य में देखने व परखने की जरूरत है. कैलिफोर्निया शहर पहाड़ों के बीच बसा है. यहां चीड़ के जंगल हैं. चीड़ के सूखे पेड़-पत्तों में आग लगने से जंगल जलने लग गया. कुछही घंटों में आग ने लॉस एंजिल्स के बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया. शहर की हवा जहरीली हो गई. यहां 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली 'सांता सना' हवाओं ने आग को तेजी से भड़का दिया. आमतौर से पतझड़ के मौसम में चलने वाली ये हवाएं अत्यंत गर्म होती हैं. ये दक्षिण कैलिफोर्निया क्षेत्र को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं. यह आग इसलिए भी तेजी से भड़की क्योंकि कैलिफोर्निया में कई साल से सूखे के हालात बने हुए हैं. इलाके में नमी औसत स्तर से कम हो गई है।

नाइजीरियाई राष्ट्रपति ने की पेट्रोल टैंकर विस्फोट में 80 लोगों की मौत की पुष्टि

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने रविवार को पुष्टि की कि देश के उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में एक व्यस्त सड़क पर पेट्रोल से भरे एक टैंकर के पलट जाने से उसमें विस्फोट हो गया, जिससे 80 से अधिक लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, घटना और भारी जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, टीनूबू ने विस्फोट को विनाशकारी बताया। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य के डिक्को क्षेत्र में कई निवासी गिरे हुए गैसोलीन टैंकर से ईंधन निकालने की कोशिश करते समय भीषण आग में फंस गए।

नाइजीरियाई नेता ने संबंधित अधिकारियों को घायलों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने सुरक्षा और सड़क सुरक्षा अधिकारियों को इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उपाय लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी नागरिकों को सावधानी बरतने और दुर्घटना स्थलों, विशेष रूप से ईंधन से भरे वाहनों के पास जाने से बचने की सलाह दी।

इसके अलावा राष्ट्रपति ने नेशनल ओरिएंटेशन एजेंसी को एक राष्ट्रव्यापी शैक्षिक अभियान शुरू करने का आदेश दिया है। यह अभियान गिरे हुए टैंकरों से ईंधन निकालने के गंभीर जोखिमों और पर्यावरणीय खतरों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाएगा। नाइजीरिया में गैसोलीन टैंकर विस्फोट असामान्य नहीं हैं, जिससे अक्सर लोग हताहत होते हैं। पिछले साल सितंबर में नाइजर राज्य में एक व्यस्त राजमार्ग पर गैसोलीन से लदे टैंकर में विस्फोट होने से 48 लोग मारे गए थे। कई नाइजीरियाई लोग लगातार हो रही घटनाओं के लिए मौजूदा आर्थिक कठिनाई को जिम्मेदार ठहराते हैं, जिसने लोगों को हताश करने वाले काम करने के लिए मजबूर किया है, जिसमें गिरे हुए टैंकरों से गैसोलीन निकालना भी शामिल है। वहीं, अन्य लोग इसी तरह की आपदाओं को रोकने के लिए सख्त यातायात नियमों की मांग कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में टीनूबू ने ईंधन परिवहन सुरक्षा प्रोटोकॉल की तेजी से समीक्षा करने और उसे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, और पुलिस को गश्त बढ़ाने, सुरक्षा नियमों बढ़ाने और अन्य राजमार्ग सुरक्षा तंत्र जैसे उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया।

पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के पहले पति ने बच्चों से मिलाने के लिए भारत सरकार से मदद मांगी

कराची , एजेंसी। चार बच्चों के साथ 2023 में गैर कानूनी तरीके से भारत गयी पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के पहले पति ने पड़ोसी देश की सरकार से अपने बच्चों से मिलने और उन्हें अपने पास रखने में मदद करने की अपील की है। सीमा अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए भारत आई थी, जिससे उनकी मुलाकात ऑनलाइन माध्यम से हुई थी। सीमा (32) सिंध प्रांत के जैकोबाबाद की रहने वाली है और मई 2023 में अपने बच्चों को लेकर कराची स्थित अपने घर से नेपाल के रास्ते भारत आई थी।

वह जुलाई 2023 में तब सुर्खियों में आई जब भारतीय अधिकारियों ने उसे उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में भारतीय नागरिक सचिन मीणा (27) के साथ रहते हुए पाया। सचिन का दावा है कि दोनों ने शादी कर ली है। दोनों का संपर्क 2019 में ऑनलाइन खेल पबजी खेलते समय हुआ था। सीमा और सचिन को जुलाई 2023 में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। सीमा पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का आरोप है जबकि सचिन पर अवैध प्रवासी को शरण देने का आरोप लगाया गया था। सीमा के पहले पति गुलाम हैदर ने हाल में एक वीडियो संदेश में विदेश मंत्री एस जयशंकर से 'न्याय' दिलाने की अपील की।

हैदर ने दावा किया कि वह प्रमुख पाकिस्तानी वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता अंसार बर्नी की मदद से 2023 के अंत से अपने बच्चों का सरंक्षण हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

बर्नी ने पिछले वर्ष फरवरी मेंपुष्टि की थी कि हैदर ने उनसे मदद मांगी थी तथा भारतीय अदालतों में कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए एक भारतीय वकील की सेवा ली थी। उन्होंने कहा, ''उचित प्रक्रिया के बाद, हमने एक भारतीय वकील अली मोमिन की सेवा ली और भारतीय अदालतों में कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए वकालतनामा भेज दिया है।''

लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि मामला शुरू हुआ है या नहीं। हैदर ने वीडियो संदेश में दावा किया, ''मामला अदालत में लंबित हुए एक साल हो गया है और मैंने 2023 से अपने बच्चों को नहीं देखा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं भारतीय (विदेश) मंत्री एस. जयशंकर से न्याय दिलाने की अपील करता हूं।'' हैदर ने आरोप लगाया कि बच्चे अपनी मां की वजह से भारत में फंसे हुए हैं। उन्होंने दावा किया, ''वह जबरन उनका नाम और धर्म बदलने की कोशिश कर रही है।''

सीमा जब संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के रास्ते भारत आई तब हैदर सऊदी अरब में काम कर रहा था।

मई 2023 में उसके सभी चार बच्चो की उम्र सात साल से कम थी। सीमा ने इससे पहले बीबीसी को दिए गए साक्षात्कार में कहा था कि उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया है। उन्होंने पाकिस्तान लौटने से भी इनकार कर दिया। सीमा का दावा है कि उनके बच्चों ने भी हिंदू धर्म अपना लिया है। सीमा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि वह सचिन के साथ बच्चे की उम्मीद कर रही हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सीसीटीवी फुटेज सामने आया

सूरत में 8वीं कक्षा की छात्रा ने की आत्महत्या

फीस न चुकाने पर छात्रा को टॉयलेट के पास खड़ा रखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के गोडादरा इलाके में रहने वाली 8वीं कक्षा की छात्रा ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। छात्रा आदर्श पब्लिक स्कूल में पढ़ती थी। परिजनों का आरोप है कि फीस बकाया होने के कारण स्कूल के एक शिक्षक ने उसे आंतरिक परीक्षा में बैठने नहीं दिया और पूरे दिन क्लास के बाहर खड़ा रखा।

इस सजा के चलते छात्रा मानसिक दबाव में आ गई थी और उसने स्कूल जाने से मना कर दिया। घटना के दिन, जब माता-पिता काम पर बाहर गए हुए थे, तब उसने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी।

मामले में स्कूल के 10 जनवरी के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। फुटेज में देखा गया है कि छात्रा को लगभग सवा घंटे तक कंप्यूटर लैब में अकेले बैठने के लिए कहा गया था।

स्कूल के प्रबंधन ने परिजनों के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि बच्चों से फीस के बारे में कभी बात नहीं की जाती, यह चर्चा केवल अभिभावकों से की जाती है। स्कूल प्रबंधन का दावा है कि छात्रा को उसके परिवार द्वारा ही मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी।

परिजनों के गंभीर आरोपों के चलते शिक्षा विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है, और आत्महत्या के मामले में पुलिस भी जांच कर रही है।

गोडादरा इलाके में 8वीं कक्षा की छात्रा की आत्महत्या के

मामले में स्कूल के 10 जनवरी के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। फुटेज से पता चला है कि 10 जनवरी को छात्रा को लगभग सवा घंटे तक कंप्यूटर लैब में अकेले बैठाया गया था। सुबह 7:45 बजे से 9:05 बजे तक वह लैब में अकेली थी।

सीसीटीवी में स्पष्ट दिखता है कि छात्रा शुरुआत में लैब के स्टूल पर बैठी हुई थी। बाद में, उसे लैब में जमीन पर बैठा दिया गया। लगभग 9:06 बजे, छात्रा को क्लासरूम में जाने और

जांच के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत चार लोगों की एक टीम बनाकर स्कूल में जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान, छात्रा के क्लास के 10 से 11 सहपाठियों के बयान लिए गए। इसके अलावा, स्कूल के शिक्षकों और ट्रस्टियों के लिखित बयान भी दर्ज किए गए हैं। टीम ने स्कूल प्रशासन और घटना से संबंधित सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की। शिक्षा निरीक्षक नरेंद्र वसावा ने बताया कि छात्रा के क्लास

सूरत में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 8वीं कक्षा की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि छात्रा ने स्कूल द्वारा मानसिक प्रताड़ना के कारण यह कदम उठाया। परिजनों का कहना है कि फीस न चुकाने के कारण स्कूल प्रशासन ने बच्ची को दो दिन तक टॉयलेट के पास खड़ा रखा।

स्कूल संचालक ने इन आरोपों को निराधार बताया है और कहा है कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। मामले की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज को सामने लाया गया है।

प्रशासन और पुलिस मामले की गहन जांच कर रहे हैं।

परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई।

नरेंद्र वसावा (शिक्षा निरीक्षक, सूरत शिक्षा अधिकारी कार्यालय) ने बताया कि गोडादरा क्षेत्र के आदर्श पब्लिक स्कूल में 8वीं कक्षा की छात्रा द्वारा आत्महत्या के मामले में

में पढ़ने वाले अन्य विद्यार्थियों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं, और फिलहाल मामले की आगे जांच जारी है। साथ ही, स्कूल के शिक्षकों और ट्रस्टियों से लिखित बयान लिए जा रहे हैं। स्कूल में लगे विभिन्न सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी जांच के लिए इकट्ठा किए जा रहे हैं। सभी साक्ष्यों की गहन जांच के बाद, एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी और इसे शिक्षा अधिकारी को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतक छात्रा के पिता राजू खटीक ने स्कूल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तरायण से पहले उनकी बेटी की परीक्षा थी, लेकिन स्कूल ने उसे परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी। स्कूल में उसे कक्षा के बाहर खड़ा रखा गया था।

उन्होंने बताया कि उनकी बेटी घर आकर रोने लगी थी। जब उन्होंने स्कूल को फोन किया, तो उन्हें फीस बकाया होने की बात कही गई। पिता ने अगले महीने फीस भरने का आश्वासन दिया था। इसके बाद उनकी बेटी ने स्कूल जाने से इनकार कर दिया।

पिता का कहना है कि उनकी बेटी ने स्कूल में टॉर्चर से परेशान होकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन बच्चों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है और किसी की मजबूरी को नहीं समझता।

आदर्श पब्लिक स्कूल के संचालक, मुकेशभाई ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि इस घटना की जानकारी उन्हें सुबह मिली। उन्होंने कहा कि स्कूल का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। फीस को लेकर आत्महत्या किए जाने का आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। संचालक ने स्पष्ट किया कि स्कूल में बच्चों को कभी भी फीस से संबंधित जानकारी नहीं दी जाती। फीस को लेकर बातचीत केवल अभिभावकों से की जाती है। फीस भरने के लिए तारीख दी जाती है और इसका फीडबैक लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि अभिभावक फोन नहीं उठाते हैं, तो उन्हें स्कूल में बुलाया जाता है। बच्चों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं डाला जाता।

स्कूल की शिक्षिका, रंजनबेन आहीर ने छात्रा के मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि 8 जनवरी को बच्ची को केवल यह बताया गया था कि उसकी फीस अभी तक जमा नहीं हुई है और उसके माता-पिता फोन नहीं उठा रहे हैं। मैंने खुद सर से फोन लेकर उनके पेरेंट्स को कॉल किया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद सर ने कहा कि कोई बात नहीं, बच्ची को परीक्षा देने दो, बाद में बात करेंगे।

उन्होंने बताया कि बच्ची ने परीक्षा दी और अगले दिन स्कूल भी आई। शिक्षिका का कहना है कि यह घटना 8 जनवरी की है, जबकि आत्महत्या 21 जनवरी को हुई। इसलिए फीस का सवाल ही नहीं उठता।

रंजनबेन का कहना है कि परिवार ही बच्ची को स्कूल आने से रोकता था। बच्ची के स्कूल न आने का कारण अक्सर यह बताया जाता था कि उसकी मां बीमार हैं या घर के काम में व्यस्त हैं। पड़ोसियों और उसके दोस्तों से मिली जानकारी के अनुसार, परिवार में बच्ची को मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता था।

उन्होंने यह भी कहा कि परिवार द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह झूठे हैं। मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

गोडादरा में दो साल की बच्ची का अपहरण करने वाला गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गोडादरा क्षेत्र में दो साल की एक बच्ची का अपहरण कर लिया गया था, जिसे अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना इलाके में सनसनी फैला देने वाली थी। बच्ची का अपहरण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

गडोदरा में 19 वर्षीय नराधम ने एक बच्ची का अपहरण कर उसे सुनसान स्थान पर ले गया था। तब बच्ची की मां वहां पहुंची और उसने नराधम को रंगे हाथ पकड़ लिया। उपस्थित स्थानीय लोगों ने उसे जमकर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। बच्ची के गुप्तांग से खून बहने के कारण दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। बच्चे को लालच देकर उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर शारीरिक छेड़छाड़ की और जान से मारने की धमकी दी। बच्चे ने घर आकर पूरी घटना बताई, जिसके बाद पुलिस ने नराधम के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोडादरा में एक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें आस-पास की सोसाइटी के भक्त बड़ी संख्या में जुटे थे। इस दौरान एक मां अपनी दो साल की बच्ची के साथ धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुई थी। कार्यक्रम के दौरान 19 वर्षीय दरिंदे ने मासूम बच्ची को उठाकर पास की सुनसान जगह पर ले गया और वहां उसके साथ बलात्कार का प्रयास किया।

बच्ची को गायब देखकर उसकी मां ने तलाश शुरू की और आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। मां के जोर-जोर से शोर मचाने पर घटनास्थल पर स्थानीय लोग जमा हो गए और गुस्से में आकर आरोपी को बुरी तरह से पीटा। इसके बाद परिवार वाले बच्ची को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने बच्ची के निजी अंग से खून बहने के कारण बलात्कार की आशंका जताई।

बच्ची की हालत गंभीर होने के कारण उसे तत्काल स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, आरोपी को भी प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

7 साल के मासूम के साथ शारीरिक उत्पीड़न

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रांदेर में एक 7 साल के मासूम बच्चे के साथ फिरकी की लालच देकर शारीरिक उत्पीड़न किया गया। आरोपी ने बच्चे को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ बदतमीजी की और जान से मारने की धमकी दी। जब बच्चा घर लौटा, तो उसने पूरी घटना अपनी मां को बताई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शहर के रांदेर क्षेत्र में रहने वाले बाबा उर्फ कोठारी सलीम शेख नाम के व्यक्ति ने अपने घर के पास खेल रहे केवल 7 साल के मासूम बच्चे के साथ दुर्व्यवहार किया। मासूम बच्चा खेलते हुए उस व्यक्ति के पास गया, जिसने उसे फिरकी देने का लालच दिया। बच्चा उसकी बातों में आ गया और उसके साथ चल पड़ा। इस दौरान कोठारी ने उसे रांदेर में एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके मुँह को दबाया और पट्टी बांध दी। वहां पर उसने बच्चे के साथ शारीरिक उत्पीड़न किया और धमकी दी कि अगर यह बात किसी को बताई तो वह बच्चे को जान से मार देगा।

इस घटना के बाद, बच्चा घर लौट आया और उसने पूरी घटना अपने परिवार को बताई। इसके बाद परिवार ने रांदेर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई, और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लिम्बायत में पति के असहनीय तंग से परेशान पत्नी ने जीवन समाप्त किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में रहने वाले एक युवक का विवाह महाराष्ट्र की युवती से हुआ था। विवाह के बाद युवक ने अपनी पत्नी को लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी, गालियाँ दीं और मारा-पीटा। इस उत्पीड़न से तंग आकर पत्नी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में आखिरकार पत्नी के परिवार ने युवक के खिलाफ लिम्बायत पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, और पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इसके अलावा, गोडादरा क्षेत्र में भी एक अन्य विवाहिता ने अपने ससुर के उत्पीड़न से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

इस मामले में पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। यह भी सामने आया कि ससुर पहले युवक के साथ रहते थे, लेकिन फिर अमरेली जिले में स्थानांतरित हो गए थे, फिर भी उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से उसे प्रताड़ित किया और धमकी दी, जिससे परेशान होकर विवाहिता ने आत्महत्या की।

मिल रही जानकारी के अनुसार, लिम्बायत क्षेत्र स्थित सहजानंद सोसाइटी में रहने वाले मनोज प्रेमचंद घोडे का विवाह दस साल पहले महाराष्ट्र की एक युवती से हुआ था। विवाह के बाद दोनों सुरत के सहजानंद सोसाइटी में साथ रह रहे थे। इस दौरान मनोज बार-बार अपनी पत्नी को गालियाँ देता, मारपीट करता और शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करता था। परेशान होकर पत्नी ने अंततः घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

इस मामले की जांच लिम्बायत पुलिस ने शुरू की, जिसमें यह सामने आया कि मनोज अक्सर अपनी पत्नी से मारपीट करता था और अत्याचार करता था।

दोनों ठगों ने इस काम के लिए 5 लाख रुपये दिए

भा.ज.पा. के कार्यकर्ता ने भा.ज.पा.कॉर्पोरेटर के साथ ठगी की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत में भाजपा के एक कार्यकर्ता ने बीजेपी कॉर्पोरेटर के साथ मिलकर एक ठगी की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने एक जमीन मालिक की जगह फर्जी मालिक को बना दिया और इस प्रक्रिया के लिए 5 लाख रुपये की ठगी की। मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दो अन्य आरोपी भूमिगत हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

मोरबी जिले के सुखलिपुरा स्थित संपत्ति के 1.45 करोड़ रुपये में विक्रय का वादा करने के बाद, बीजेपी के कार्यकर्ता दिलीपसिंह गोहिल और एक अन्य आरोपी ने बीजेपी के कॉर्पोरेटर पराक्रमसिंह जाडेजा से 21 लाख रुपये ठग लिए थे। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसे कोर्ट में पेश कर एक दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस ने फरार दो आरोपियों की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया है।

एसीपी जी. बी. बाबण्यिया

ने बताया कि, बोगस ज़मीन मालिक बनकर गलत हस्ताक्षर करके दस्तावेज़ तैयार करने वाले आरोपी जमाजी सोढ़ा को गिरफ्तार किया गया है। दिलीपसिंह गोहिल और कमलेश देत्रोजा के घर की जांच करने पर वे वहां नहीं मिले। दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। आरोपी जमाजी सोढ़ा और मूल ज़मीन मालिक चहेरो एक दूसरे से मिलते थे, जिसके बाद जमाजी सोढ़ा को बोगस ज़मीन मालिक बना दिया गया था और इसके लिए उसे 5 लाख रुपये दिए गए थे।

भा.ज.पा. के निगम पार्षद पराक्रमसिंह जडेजा ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस केस में किसी भी आरोपी को नहीं छोड़ा जाएगा। पराक्रमसिंह जडेजा ने कहा, "मेरे साथ धोखाधड़ी हुई है। यदि किसी और के साथ भी धोखाधड़ी हुई हो, तो वे पुलिस से संपर्क करें।"

वडोदरा शहर के समा क्षेत्र में स्थित चेतक ब्रिज के पास सोमनाथ विल में रहने वाले और वडोदरा नगर निगम के नगर निगम पार्षद पराक्रमसिंह अजीतसिंह जडेजा (उम्र 62) भाजपा के कार्यकर्ता दिलीपसिंह गोहिल को कई वर्षों से जानते हैं। दिलीपसिंह ने 2023 में कमलेश लालजी देत्रोजा के साथ पराक्रमसिंह की पहचान करवाई थी। 2024 में वडोदरा के सुखलीपुरा गांव में स्थित भूमि, जिसके मालिक अमृतलाल नरभराम परेचा (रह. लिखधीरनगर, मोरबी) हैं, कमलेश ने पराक्रमसिंह को बताया कि यह संपत्ति उनके काका की है और काका ने उन्हें इस संपत्ति की बिक्री का अधिकार दिया है।

इसके अतिरिक्त, कमलेश देत्रोजा और दिलीपसिंह गोहिल साझीदार थे और इस संपत्ति को 1.45 करोड़ में बेचने का फैसला किया गया था। इसके तहत, 11 लाख कमलेश और 10 लाख दिलीपसिंह को चुकाए जाने थे, और बाकी 1.24 करोड़ रुपये दस्तावेजों के समय 18 महीने में चुकाए जाने थे। इस प्रकार, काउंसलर ने दोनों को 21 लाख रुपये चुका दिए थे और बिक्री दस्तावेज करने के लिए मूल भूमि मालिकों को बुलाने की बात कही थी।

तब दोनों आरोपियों ने कहा कि भूमि मालिक बीमार पड़ने के कारण दस्तावेज करने नहीं आ सकते, इसलिए काका के ठीक होने पर दस्तावेज किए जाएंगे।

इसके बाद, इन दोनों ने बिक्री दस्तावेज तैयार कर लाए थे और कॉर्पोरेटर ने उन पर साइन कर लिए थे। उनकी गैरहाजिरी में संपत्ति मालिक अमृतलाल नरभेराम परेचा नाम की एक नकली व्यक्ति का आधार कार्ड, पैन कार्ड के साथ उपस्थित होकर बिक्री दस्तावेज़ की प्रक्रिया पूरी की गई थी।

विवाहिता की आत्महत्या के मामले में ससुर के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमरेली जिले के सावरकुंडला तालुका के दलती गांव के निवासी 60 वर्षीय मनुभाई पांचाभाई बलदानिया के बेटे का विवाह नीता नाम की युवती से हुआ था। विवाह के बाद, नीता अपने पति के साथ सुरत के गोडादरा क्षेत्र स्थित शिवपार्क सोसाइटी में रहने लगी थी। इस दौरान, नीता के ससुर मनुभाई बलदानिया ने घर के कामकाज को लेकर उसे बार-बार अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी थी। बाद में, मनुभाई अपने मूल गांव अमरेली लौट गए, लेकिन फिर भी उन्होंने फोन के जरिए अपनी बहू नीता को अपशब्द कहकर धमकियां दी थीं।

आखिरकार, नीता ने 24 दिसंबर को घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में गोडादरा पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान यह सामने आया कि मनुभाई बलदानिया ने नीता को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया था। इसके बाद, गोडादरा पुलिस ने नीता की बड़ी बहन की शिकायत के आधार पर मनुभाई बलदानिया के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया और आगे की जांच शुरू की है।

स्कूलों और डीईओ के बीच खो-खो की खेल शुरू

RTE में 7 स्कूलों के 68 छात्रों के अभिभावकों के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत में RTE (राइट टू एजुकेशन) के तहत कुछ स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। डीईओ (जिला शिक्षा अधिकारी) ने 7 स्कूलों के 68 छात्रों के अभिभावकों के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई इसलिए की गई है क्योंकि इन स्कूलों ने आरटीई के तहत छात्रों को शिक्षा देने के बजाय उनका नाम स्कूल से हटा दिया था और फीस का भुगतान करने के लिए दबाव डाला था।

अभिभावकों की शिकायतों के बाद इस मामले में अधिकारियों ने जांच शुरू की और पाया कि इन स्कूलों ने सरकारी नियमों का उल्लंघन किया है। इसके बाद, उन स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और स्न्ढक्र दर्ज करने के निर्देश दिए गए। इस आदेश के बाद शिक्षा विभाग और स्कूलों के बीच तनाव और विवाद बढ़ सकता है। सुरत में शिक्षा विभाग और स्कूलों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है।

RTE के तहत छात्रों को स्कूलों में प्रवेश दिलाने के मुद्दे पर स्कूल और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के बीच तनाव बढ़ गया है। कुछ स्कूलों पर आरोप हैं कि उन्होंने छात्रों का नामांकन नहीं किया और केवल पत्र भेजकर अभिभावकों को डराने की कोशिश की है।

इन स्कूलों का मानना है कि वे प्रशासन से बचने के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं, जबकि शिक्षा विभाग ने ऐसे स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।